रायपुर। गुरुवार, 17 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 46/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल आईसीसी रैंकिंगः अभिषेक को मिला अफगानिस्तान...
@ विचार भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार-मुक्त भारत ...
@ व्यापार सेंसेक्स में 333 अंकों की बढ़त ...

विश्व केसरी खबर झरोखा

मक्का के पास ड्रोन हमले पर भारत ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का के पास हुए ड्रोन हमले पर बुधवार को गहरी चिंता जताते हुए क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता बहाल होने की उम्मीद व्यक्त की है।

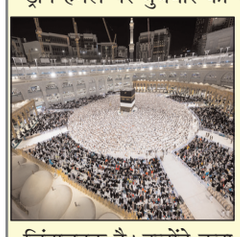

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में जारी बयान में कहा कि मक्का के पास हुई यह घटना शहर के धार्मिक महत्व को देखते हुए विशेष रूप से चिंताजनक है। उन्होंने कहा, 'मक्का के पास हुए ड्रोन हमले पर हमें गहरी चिंता है। भारत सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हमलों और नागरिकों के जीवन तथा बुनियादी ढांचे को खतरे में डालने वाली हर कार्रवाई की कड़ी निंदा करता है। मक्का के पास हुई यह घटना विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि दुनिया भर के मुसलमानों के लिए इस शहर का अत्यंत पवित्र महत्व है।

14 जनवरी से होगा डब्ल्यूपीएल 2027 का आगाज, 28 अक्टूबर को कोच्चि में होगी खिलाड़ियों की नीलामी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 की तारीखों का ऐलान कर दिया है।

डब्ल्यूपीएल का पांचवें सीजन की शुरुआत 14 जनवरी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 7 फरवरी को खेला जाएगा। डब्ल्यूपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 28 अक्टूबर, 2026 को कोच्चि में होगी। खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारीख 28 सितंबर रखी गई है। इससे पहले सभी पांच टीमों को मौजूदा स्क्वॉड में से रिटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआई को सौंपनी होगी। डब्ल्यूपीएल 2027 का ऑक्शन कोच्चि के ग्रैंड हयात होटल में होगा। डब्ल्यूपीएल 2026 में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खिताब को अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल मुकाबले में दिलली कैपिटल्स को हराकर दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था।

गृह मंत्रालय ने 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को आतंकी संगठन घोषित किया

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 'शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन)' को यूएपीए के तहत आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। अमित शाह ने लिखा, 'आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाते हुए गृह मंत्रालय ने 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को यूएपीए के तहत एक आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

झीरम घाटी नक्सली हमले के 10 दोषियों को मृत्युदंड

2013 में छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हुआ था हमला 29 मारे गए थे

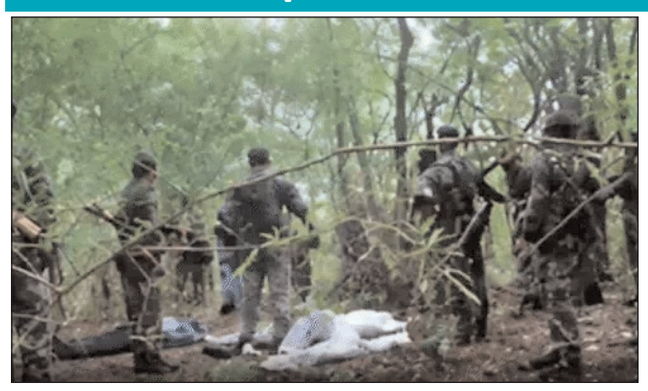

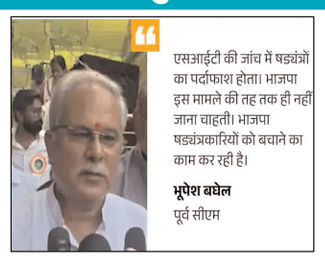

एसआईटी की जांच में षड्यंत्रों का पर्दाफाश होता। भाजपा इस मामले की तह तक ही नहीं जाना चाहती। भाजपा षड्यंत्रकारियों को बचाने का काम कर रही है।

भूपेश बघेल
पूर्व सीएम

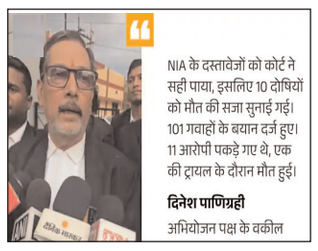

NIA के दस्तावेजों को कोर्ट ने सही पाया, इसलिए 10 दोषियों को मौत की सजा सुनाई गई। 101 गवाहों के बयान दर्ज हुए। 11 आरोपी पकड़े गए थे, एक की ट्रायल के दौरान मौत हुई।

दिनेश पाणिग्रही
अभियोजन पक्ष के वकील

फैसला बचाव पक्ष के खिलाफ में गया है। हम इस फैसले से असंतुष्ट है। इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। परिजनों और हमारा कहना है कि ये लोग हमले में शामिल नहीं थे।

अरविंद चौधरी
बचाव पक्ष के वकील

पापाराव, बारसे देवा, चैतू जैसे बड़े नक्सली झीरम हमले में शामिल थे। इन्हें किस आधार पर माफ किया गया? सरकार को डर है कि ये कई नाम उजागर कर सकते हैं, इसलिए इनकी सजा माफ की जा रही है। ये अन्याय है।

तूलिका कर्मा
महेंद्र कर्मा की बेटी

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

2013 में झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं समेत 29 लोगों की हत्या के मामले में जगदलपुर एनआईए कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। इनमें 2 महिला और 8 पुरुष शामिल हैं। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी।

करीब 13 साल चली सुनवाई में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज दर्ज किए गए। यह सजा हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही लागू होगी। तब तक सभी दोषी केंद्रीय जेल जगदलपुर में रहेंगे। 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। अभियोजन पक्ष ने फांसी की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने दलील में सजा कम करने की मांग की थी।

परिजन बोले- कोसा नक्सली नहीं था

दोषी ठहराए गए कोसा के ममेरे भाई ने कहा कि कोसा नक्सली नहीं था। क्या नक्सली गांव में रहते हैं। जिस समय कोसा को पकड़ा गया, वह घर में खाना बना रहा था। मौत की सजा की जानकारी मिली है। वकील ने बताया है कि 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट जाना पड़ेगा।

एनआईए के दिए दस्तावेज कोर्ट ने सही पाए

वहीं अभियोजन पक्ष के वकील ने परिजनों के आरोपों पर कहा कि कोर्ट आरोपों से नहीं सबूतों से चलती है। *एनआईए* के दिए दस्तावेजों को कोर्ट ने सही पाया, इसलिए मौत की सजा सुनाई गई है। 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे।

एफआईआर में और बहुत सारे लोगों के नाम थे। उनमें अज्ञात और नामजद लोग भी हैं। उनकी पहचान की जाएगी। 11 लोग पकड़े गए थे। ट्रायल के दौरान एक की मौत हो गई। 10 लोगों की सजा सुनाई गई है।

दोषी ठहराए गए 10 आरोपीयों की भूमिका

प्रमिला मोडियम - मिलिट्री कंपनी नंबर-2 के कैडरों के साथ झीरम पहुंची और हमले में शामिल हुई। घायलों पर हमला करने और हथियार लूटने का भी आरोप।

चैतू लेकाम - PLGA का सेक्शन कमांडर। पिड़िया से झीरम पहुंचा और हमले में शामिल हुआ। FSL और अन्य सबूतों से बरामद विस्फोटकों का हमले से संबंध मिला।

सुमित्रा पुनेम मोडियम - अन्य कैडरों के साथ झीरम पहुंची और हमले में शामिल हुई।

मुक्का मंडावी - हथियार के साथ हमले में शामिल हुआ और पुलिसकर्मियों के हथियार लूटे। बरामद विस्फोटक घटनास्थल से मिले सामान से मेल खाए।

कवासी कोसा - झीरम हमले में शामिल हुआ और पुलिसकर्मियों के हथियार लूटे।

आयता मरकाम - कोलेंग और कंडानार से चावल व अन्य लॉजिस्टिक सामग्री जुटाई और उसे झीरम पहुंचाने की व्यवस्था की।

मड़कामी देवा - दरभा डिवीजन कमेटी का सदस्य। हमले के लिए लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराने में भूमिका निभाई।

जोगा मड़कम - झीरम हमले में शामिल हुआ और पुलिसकर्मियों के हथियार लूटे।

बंजामी सन्ना - दरभा डिवीजन कमेटी की सदस्य। हमले के लिए चावल और अन्य लॉजिस्टिक सामग्री जुटाई। फंड के लिए वसूली करने का भी आरोप।

महादेव नाग - धारा 164 CRPC के तहत दर्ज बयान में घटनास्थल पर मौजूदगी और हमले में उसकी भूमिका का उल्लेख।

सभी दोषियों को जगदलपुर केंद्रीय जेल भेजा गया।

पीएम मोदी आज सेमीकॉन इंडिया 2026 का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को सुबह लगभग 10 बजे राष्ट्रीय राजधानी स्थित यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। इसमें 52 देशों की 600 से अधिक कंपनियां और प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को दी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया कि 17 से 19 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाला तीन दिवसीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 'सिलिकॉन से सिस्टम तक: इको सिस्टम का निर्माण' थीम पर आधारित होगा। इसमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला से जुड़े वैश्विक और भारतीय कंपनियां, नीति निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान और छात्र एकत्रित होंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत में सहयोग, निवेश, नवाचार और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना है। समानांतर सत्रों में डिस्प्ले उद्योग में हुई प्रगति, सहयोग और संयुक्त उद्यमों को सुगम बनाने के लिए डिजाइन किए गए छह कंट्री राउंडटेबल, महिला नेतृत्व पर एक मंच आदि शामिल होंगे।

32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर अटल नगर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का आज भव्य शुभारंभ हुआ। लगभग 11 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद छत्तीसगढ़ को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर मिला है। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शुभारंभ समारोह के विशेष अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने 'Chhattisgarh Local Body Election Year Book-2026' के प्रथम संस्करण का विमोचन भी किया। यह प्रकाशन छत्तीसगढ़ में स्थानीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया, उपलब्धियों, नवाचारों और चुनावी व्यवस्थाओं का महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत करता है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्थानीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सशक्त, पारदर्शी, समावेशी और तकनीक-सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में स्थानीय स्वशासी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

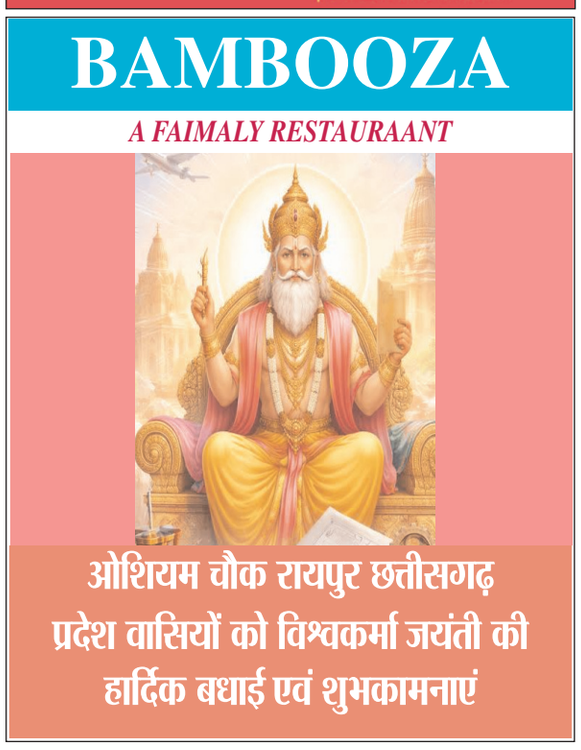

तमिलनाडु में कामराज ब्रेकफास्ट योजना का विस्तार अब कक्षा 6 से 8 के छात्रों को भी मिलेगा नाश्ता

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार छात्रों के लिए चलाई जा रही पेरुन्थलैवर कामराज ब्रेकफास्ट योजना का विस्तार करने जा रही है। अब कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। इसका शुभारंभ 22 सितंबर को होगा। पहले यह कार्यक्रम गुरुवार को होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय लंदन की अपनी आधिकारिक यात्रा से लौटने के बाद इस विस्तारित योजना का उद्घाटन करेंगे। वे लंदन में तमिलनाडु में नए निवेश को आकर्षित करने के लिए बैठकें कर रहे हैं। शुरुआत में यह कार्यक्रम गुरुवार को समाज सुधारक पेरियार की जयंती के अवसर पर लॉन्च किया जाना था। हालांकि, मुख्यमंत्री के विदेश दौरे पर होने के कारण सरकार ने उद्घाटन को टाल दिया।

समाज कल्याण सचिव पल्लवी बलदेव ने सभी जिला कलेक्टरों को पत्र लिखकर संशोधित लॉन्च तिथि के बारे में सूचित किया है और कार्यक्रम को लागू करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। यह योजना पूरे तमिलनाडु में लागू की जाएगी, सिवाय चेंगलपट्टू और तिरुप्पुर जिलों के, जहां अभी विधानसभा उपचुनाव चल रहे हैं। इन दो जिलों को बाहर रखने की वजह चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता बताई जा रही है।

टीवीके सरकार के सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री की ब्रेकफास्ट योजना का नाम बदलकर पेरुन्थलैवर कामराज ब्रेकफास्ट योजना कर दिया गया था। यह नाम पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज के सम्मान में रखा गया है, जिन्होंने तमिलनाडु में स्कूली शिक्षा के विस्तार और छात्रों के लिए कल्याणकारी उपायों को शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई थी। पहले यह ब्रेकफास्ट कार्यक्रम केवल सरकारी स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों के लिए था, अब इसे कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए बढ़ाया जा रहा है। इस विस्तार से बड़ी संख्या में छात्रों को फायदा होने की उम्मीद है, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को।

सरकार का मानना है कि कक्षाएं शुरू होने से पहले छात्रों को पौष्टिक नाश्ता देने से उपस्थिति में सुधार होगा, कक्षा में भूख कम होगी और बच्चों को पढ़ाई पर बेहतर ध्यान देने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों को समाज कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, स्थानीय निकायों और स्कूल प्रशासन के बीच उचित समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला कलेक्टरों से लाभार्थियों की पहचान, खाद्य सामग्री की आपूर्ति, रसोई की सुविधाओं, स्वच्छता मानकों और नाश्ते के समय पर वितरण सहित तैयारियों की निगरानी करने की उम्मीद है। 22 सितंबर से पहले स्कूलों को विस्तारित योजना के उद्घाटन और कार्यान्वयन के बारे में विस्तृत निर्देश भेजे जाएंगे।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया को प्रदत्त प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया को राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2025-26 का प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार 14 एवं 15 सितंबर 2026 को वासी, नवी मुंबई स्थित सिडको एग्ज़िबिशन सेन्टर में आयोजित छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी दिवस समारोह 2026 के दौरान प्रदान किया गया। समारोह में देशभर से विभिन्न मंत्रालयों, विभागों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की ।माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की, देवेन्द्र फड़नवीस, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र एवं सुनेत्रा पवार, उप मुख्यमंत्री उपस्थित रहें।

माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के करकमलों से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी कल्याण कुमार ने यह गौरवपूर्ण पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही इस सम्मेलन में कार्यकारी निदेशक महेन्द्र दोहरे एवं मुख्य महाप्रबंधक, मासंप्र एव राजभाषा कुशल पाल उपस्थित रहें। यह सम्मान बैंक द्वारा राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग, हिंदी में रचनात्मक एवं अभिनव कार्यों तथा बैंक के विभिन्न कार्यालयों में राजभाषा के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त मान्यता है। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का राजभाषा के प्रति समर्पण केवल कार्यालयीन कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि बैंक द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार, कर्मचारियों की हिंदी में कार्य करने की क्षमता को प्रोत्साहित करने तथा बैंकिंग सेवाओं को अधिक सहज एवं ग्राहकोन्मुख बनाने के लिए विभिन्न पहल की जाती रही हैं। बैंक की द्विभाषीय गृह पत्रिका 'सेन्ट्रलाइट' भी हिंदी एवं अंग्रेजी के माध्यम से बैंक की गतिविधियों, उपलब्धियों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों को मंच प्रदान करती है। 'सेन्ट्रलाइट' के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष अंक 'विरासत अंक'का विमोचन भी किया गया।

संक्षिप्त खबरें

भगवंत मान की पत्नी की मानहानि शिकायत पर चंडीगढ़ कोर्ट में सुनवाई 17 अक्टूबर तक टली

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पत्नी गुरप्रीत कौर की ओर से दायर आपराधिक मानहानि शिकायत पर चंडीगढ़ की अदालत ने बुधवार को सुनवाई 17 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। मामले में अब शिकायतकर्ता के साक्ष्य दर्ज किए जाएंगे। यह शिकायत शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया, कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा और शिरोमणि अकाली दल के सांसद हरसिमरत कौर बादल के खिलाफ दायर की गई है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस, सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो, तस्वीरों, सीसीटीवी फुटेज और ग्राफिक सामग्री के माध्यम से शिकायतकर्ता के खिलाफ कथित तौर पर झूठे और मानहानिकारक बयान दिए तथा उन्हें प्रसारित किया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि ये सामग्री दुर्भावनापूर्ण थी और सार्वजनिक मंचों पर व्यापक रूप से प्रसारित की गई, जिससे आम लोगों की नजर में उनकी प्रतिष्ठा और गरिमा को नुकसान पहुंचा। गुरप्रीत कौर ने अदालत से आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मानहानि के लिए कार्रवाई करने और कानून के तहत उचित राहत दिए जाने की मांग की है।

बेंगलुरु के लॉज में संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला मृत पाई गई

विश्व केसरी

हासन। कर्नाटक के हासन जिले के सकलेशपुर तालुक में एक लॉज में बेंगलुरु की 23 वर्षीय महिला संदिग्ध हालात में मृत पाई गई। मृतक की पहचान बेंगलुरु के नागासंद्रा की रहने वाली वर्षा के तौर पर हुई है। यह घटना सकलेशपुर तालुक के वलालहल्ली में कूदिगे में हुई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वर्षा अपने तीन दोस्तों के साथ सकलेशपुर घूमने गई थी। इन दोस्तों में दर्शन और रघु नाम के दो युवक भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि यह ग्रुप शुक्रवार को वहां पहुंचा था और पिछले चार दिनों से उसी इलाके में रुका हुआ था। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि वे सभी एक ही कमरे में रुके थे। बाद में वर्षा लॉज के बाथरूम में मृत पाई गई। उसकी मौत किन हालात में हुई, यह अभी साफ नहीं है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत की असल वजह का पता पोस्टमार्टम के बाद चलने की उम्मीद है। वर्षा के परिवारवालों ने मीडिया को बताया कि उन्हें मंगलवार को पुलिस का फोन आने पर उसकी मौत के बारे में पता चला।

मध्य प्रदेश के प्राथमिक स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में स्क्रीनिंग कैंप लगें: राज्यपाल मंगुभाई पटेल

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में सिकल सेल और छह रोग नियंत्रण के लिए चल रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए राज्य के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल की स्क्रीनिंग में बच्चों की जांच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

लोकभवन में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन 2047 और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों में कैंप लगाकर स्क्रीनिंग का कार्य किया जाना चाहिए। राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल और क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों में जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की है कि सांसद, विधायक से सम्पर्क कर उनके क्षेत्र में सिकल एवं क्षय रोग उन्मूलन अभियान के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन में आवश्यक वित्तीय सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करें।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल और क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण घटक है। जरूरी है कि जागरूकता प्रयासों में युवाओं को सहयोगी बनाया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रों के बीच जाने और उन्हें सिकल मित्र बनने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि क्षय रोग 6 माह में पूरी तरह से ठीक हो सकता है। आवश्यकता रोगी द्वारा नियमित रूप से औषधि का सेवन किया जाए। साथ ही रोगियों के औषधि सेवन की मॉनिटरिंग की जरूरत भी है।

फर्जी पासपोर्ट मामले में गुजरात एटीएस ने कांग्रेस नेता के बेटे को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

अहमदाबाद। गुजरात महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गीताबेन पटेल के बेटे हरिकेश पटेल को गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने फर्जी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार किया है। एटीएस का आरोप है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अदालत में जमा मूल पासपोर्ट के बावजूद हरिकेश पटेल ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दूसरा पासपोर्ट बनवाया और उसका इस्तेमाल विदेश यात्रा के लिए किया।

गुजरात एटीएस के एसपी के सिद्धार्थ ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि हरिकेश पटेल का मूल पासपोर्ट ईडी से जुड़े एक मामले में पटियाला हाउस कोर्ट में जमा था। इसके बावजूद उसने कथित तौर पर अलग फोटो और दस्तावेजों का इस्तेमाल कर अहमदाबाद और गाजियाबाद स्थित रीजनल पासपोर्ट ऑफिस (आरपीओ) से दूसरा पासपोर्ट हासिल किया।

एटीएस के मुताबिक, इस सूचना को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा करने के बाद मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी और ऑपरेशनल माध्यमों से जानकारी की पुष्टि की। जांच में एटीएस को कथित तौर पर पता चला कि हरिकेश पटेल ने दूसरे पासपोर्ट के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए थे। एसपी सिद्धार्थ के अनुसार, यह मामला वर्ष 2022 में ईडी द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ा है। उस मामले में हरिकेश पटेल की भूमिका सामने आने के बाद उसने पटियाला हाउस कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था।

बिहार में कहीं बाढ़ तो कहीं सुखाड़, किसानों की क्षति का आकलन जरूरी: देवेश चंद्र ठाकुर

विश्व केसरी

पटना। बिहार में बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पहुंचने पर जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने इसे सरकार की सजगता का संकेत बताया।

उन्होंने कहा कि राज्य में एक तरफ कई इलाके बाढ़ की स्थिति से प्रभावित हैं। वहीं, दूसरी ओर उत्तर बिहार के कई क्षेत्रों में सुखाड़ जैसी स्थिति बनी हुई है। ऐसे में सरकार को दोनों परिस्थितियों का आकलन कर किसानों और प्रभावित लोगों को होने वाली क्षति का जायजा लेना चाहिए। देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए शिवराज सिंह का बिहार आना अच्छी बात है। इससे सरकार की संवेदनशीलता और सजगता दिखाई देती है। बिहार में स्थिति हर क्षेत्र में एक जैसी नहीं है। कहीं बाढ़ है तो कहीं बारिश की कमी के कारण सुखाड़ की स्थिति है। उत्तर बिहार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वहां कई इलाकों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। दक्षिण बिहार में बारिश हुई है, लेकिन उत्तर बिहार के कुछ हिस्सों में सुखाड़ जैसी स्थिति है। ऐसे में केवल बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि जहां बारिश की कमी के कारण किसानों को नुकसान हुआ है, वहां की स्थिति को भी देखा जाना चाहिए। संबंधित इलाकों में किसानों और आम लोगों को हुई क्षति का भी जायजा लिया जाए तो यह उपयोगी होगा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखे जाने और जवाब नहीं मिलने के आरोप पर भी देवेश चंद्र ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी।

गाजियाबाद: इंदिरापुरम के पार्श्वनाथ मजेस्टिक में फ्लैट में भीषण आग, समय रहते बाहर निकले लोग

विश्व केसरी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित वैभव खंड के पार्श्वनाथ मजेस्टिक आवासीय परिसर में बुधवार दोपहर एक फ्लैट में अचानक भीषण आग लग गई।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग में हड़कंप मच गया। फायर स्टेशन वैशाली को दोपहर करीब 1:32 बजे फ्लैट में आग लगने की सूचना मिली। सूचना प्राप्त होते ही वैशाली फायर स्टेशन के प्रभारी के नेतृत्व में दो फायर टेंडर और एक वाटर बाउजर को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। कुछ ही समय बाद गाजियाबाद के मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल पर पहुंचने पर देखा गया कि पार्श्वनाथ मजेस्टिक के डी-ब्लॉक की तीसरी मंजिल स्थित फ्लैट संख्या डी-304 में आग तेजी से धधक रही थी। यह फ्लैट अनीता खेत्रपाल, उम्र करीब 60 वर्ष, का बताया गया है। आग की लपटें और धुआं निकलने के कारण आसपास के फ्लैटों में भी दहशत का माहौल बन गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में दमकल कर्मियों ने बिना समय गंवाए आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। फायर यूनिट ने तीसरी मंजिल से होज पाइप नीचे लटकाकर होजलाइन बिछाई और आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ फ्लैट के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने आग के स्रोत तक पहुंचकर पानी की बौछार शुरू की।

झारखंड में मंत्री से वार्ता के बाद 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मियों ने प्रस्तावित हड़ताल वापस ली

विश्व केसरी

रांची। झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मियों ने बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के साथ वार्ता के बाद प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। बैठक में वेतन भुगतान, स्थानांतरण और अन्य सुविधाओं से जुड़ी कर्मियों की शिकायतों पर चर्चा हुई।

स्वास्थ्य मंत्री और विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने इन मामलों की जांच कराने का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 108 एंबुलेंस कर्मियों के प्रतिनिधियों के साथ सेवा का संचालन करने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, डीआईसी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल समेत संबंधित अधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

कर्मियों ने संचालन एजेंसी पर पूर्व में किए गए आश्वासनों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने वेतन भुगतान में देरी, स्थानांतरण और कार्य से जुड़ी अन्य सुविधाओं में अनियमितता की शिकायत की। कर्मियों ने विशेष रूप से स्थानांतरित कर्मचारियों के मामलों की जांच कराने की मांग रखी। वहीं, संचालन एजेंसी के प्रतिनिधियों ने कर्मियों के आरोपों पर अपना पक्ष रखा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
:: मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35404./ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 16-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35404
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715C00074 जो जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KIRAN PATEL पिता/पति श्री श्रीमती CHINUBHAI PATEL के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 1. गीता पटेल पति स्व किरण पटेल 2. मेहुल पटेल पिता स्व किरण पटेल पिता/पति श्री श्रीमती... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / सपथ पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35298..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35298
वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR107D00028 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती A.k.ghosh पिता / पति श्री/श्रीमती K.d ghosh के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती C.H. VIJAYLAXMI पिता/पति श्री श्रीमती W/O C.H. SHREENIWAS RAO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35336..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 16-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35336
वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR108A00408 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Anil Kumar nag पिता / पति श्री/श्रीमती Shiv Ram nag के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती PRIYANKA SONI पिता / पति श्री/श्रीमती W/O PRADEEP SONI ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35340.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 16-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35340
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR803H00187 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Ramkali dewangan पिता / पति श्री/श्रीमती Tularam dewangan के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती VEDKUMARI LODHI पिता / पति श्री/श्रीमती W/O BHUNESHWAR LODHI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35341..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 16-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35341
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR803G0607C जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MANOJ MAKHIJA, SHANKAR LAL MAKHIJA पिता / पति श्री/श्रीमती LATE PARMANAND MAKHIJA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती GOPAL SINHA पिता / पति श्री/श्रीमती S/O DEEPAK SINHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है । यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर खमतराई पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35308..../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35308
वार्ड का नाम - 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RPR229H00080 जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती MRS. SHOBHA MARWAH पिता / पति श्री श्रीमती MR. R.R. MARWAH के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती कुलवंत कौर पिता/पति श्री श्रीमती दर्शन सिंह ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बस्तर-सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बैंकिंग नेटवर्क का करें विस्तार: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एचडीएफसी बैंक द्वारा छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाओं के 25 वर्ष पूर्ण किए जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री साय ने इस उपलब्धि पर बैंक प्रबंधन, अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्राहकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तैयार किए गए विशेष लोगो का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने बैंक के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति में मजबूत और सर्वसुलभ बैंकिंग व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पिछले वर्षों में बैंकिंग सेवाओं में तेजी से विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने वित्तीय सेवाओं को पहले से अधिक सहज बनाया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों और व्यावसायिक केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक भी समान रूप से पहुंचे।

ुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बैंकिंग नेटवर्क का और विस्तार करते हुए विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा अंचल के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण और जनजातीय बहुल है। इन क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से लोगों को आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के अधिक अवसर मिलेंगे और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी अधिक सुगमता से उन तक पहुंच सकेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गांव के नजदीक बैंक की शाखा या बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने का प्रभाव केवल बैंकिंग लेन-देन तक सीमित नहीं रहता। इसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक परिणाम होते हैं। ग्रामीणों को अपने खाते से संबंधित सामान्य कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, उनका समय और संसाधन बचता है तथा बचत और औपचारिक बैंकिंग के प्रति उनका विश्वास बढ़ता है। ऋण, बीमा, डिजिटल भुगतान और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच मिलने से परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केंद्र और राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। ऐसे में अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाओं की सहज उपलब्धता सुशासन की व्यवस्था को भी मजबूत करती है। बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार का लाभ नागरिकों के साथ-साथ शासन को भी मिलता है, क्योंकि इससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध ढंग से हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहायता मिलती है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा आती है। किसानों को कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता, युवाओं को स्वरोजगार और उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण तथा छोटे व्यवसायियों को अपने कारोबार के विस्तार के लिए पूंजी आसानी से उपलब्ध हो सकती है। इससे गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी तैयार होते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों और छोटे उद्यमों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बैंकिंग संस्थाएं यदि इन समूहों तक ऋण, वित्तीय साक्षरता और अन्य बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच को और मजबूत करें तो महिलाओं की उद्यमशीलता को बड़ा संबल मिल सकता है।

जीएसटी इंस्पेक्टर पदोन्नति में हुआ घोटाला : डॉ. विजयशंकर मिश्रा

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के कार्यकाल में युवाओं के हकों पर डाका डालने और अपनों को उपकृत करने के एक और सनसनीखेज मामले के खुलासे के मद्देनजर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि भूपेश सरकार के संरक्षण में राज्य के प्रतिभावान युवाओं और कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने बुधवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बताया कि छत्तीसगढ़ वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में जाँच के दौरान भारी धांधली, फर्जीवाड़ा और प्रणालीगत भ्रष्टाचार पाया गया है। इसके बाद शासन द्वारा इस परीक्षा को तत्काल प्रभाव से शून्य घोषित कर पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त कर दिया गया है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि 26 जून 2022 को लिपिक वर्ग से वाणिज्यिक कर निरीक्षक (टैक्स इंस्पेक्टर) के पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। जाँच समिति की रिपोर्ट (3 जुलाई 2026) ने यह साफ कर दिया है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल मे किस प्रकार नियमों की धज्जियां उड़ाई गईं!

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने बताया कि परीक्षा से पहले आरक्षण रोस्टर का पालन ही नहीं किया गया, जिससे वंचित और पिछड़े वर्गों के संवैधानिक अधिकारों पर सीधी चोट पहुँचाई गयी। इसी तरह परीक्षा केंद्रों में उपस्थिति पंजी का संधारण ही नहीं किया गया ताकि मनचाहे लोगों की बैकडेट में एंट्री कराई जा सके। जाँच में पाया गया कि कई चयनित अभ्यर्थियों ने एक समान उत्तर लिखे थे। इतना ही नहीं, कॉपियों में कोडिंग व्यवस्था को जानबूझकर खत्म किया गया ताकि मनपसंद अभ्यर्थियों की पहचान उजागर रहे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि अपनों को फायदा पहुँचाने के लिए चयन समिति के अध्यक्ष, सदस्यों और परीक्षा नियंत्रक ने खुद नियम विरुद्ध पुनर्मूल्यांकन कर चहेतों के अंक बढ़ाए। खरीदी गई कॉपियों और इस्तेमाल/शेष कॉपियों के आँकड़ों में भारी विसंगतियाँ पाई गईं, जो सीधे तौर पर फर्जी कॉपियाँ जमा करने की ओर इशारा करती हैं।

*मेधावी कर्मचारियों के साथ धोखा, सभी गलत नियुक्तियाँ रद्द

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि जाँच में यह साबित हो चुका है कि भूपेश सरकार के कार्यकाल में हुई यह परीक्षा पूरी तरह दूषित और फर्जीवाड़े पर आधारित थी। अनियमितताएँ इतनी व्यापक थीं कि इसमें से ईमानदार और धांधली करने वालों को अलग करना सम्भव नहीं था। शासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए 26 जून 2022 की परीक्षा एवं 1 जुलाई 2022 के तहत दिए गए सभी नियुक्ति आदेशों को तत्काल निरस्त कर दिया है। फर्जी तरीके से टैक्स इंस्पेक्टर बने सभी कर्मचारियों को उनके मूल पदों पर वापस भेज (प्रत्यावर्तित कर) दिया गया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि युवाओं और कर्मचारियों की मेहनत पर पानी फेरने वाली भूपेश सरकार को इस धांधली का जवाब देना ही होगा। क्या कांग्रेस सरकार का मकसद केवल अपनों को पिछले दरवाजे से लाभ पहुँचाना था? डॉ. मिश्रा ने कहा कि भूपेश बघेल सरकार का यह कृत्य न केवल प्रशासनिक मर्यादाओं का हनन था, बल्कि राज्य के परिश्रमी कर्मचारियों और युवाओं के विश्वास पर कुठाराघात था। अब सच सामने आ चुका है और धांधली के बल पर पाई गई नियुक्तियों को खारिज कर न्याय स्थापित किया गया है।

भगवान बलराम हल व कृषि के प्रतीक : नेताम

विश्व केसरी

रायपुर । भारतीय कृषि परंपरा में भगवान बलराम का विशेष स्थान है। भगवान बलराम को हल एवं कृषि के प्रतीक के रूप में स्मरण किया जाता है। उनके हाथों में सुशोभित हल किसान के श्रम धरती से उसके गहरे संबंध और कृषि संस्कृति का प्रतीक है। भगवान बलराम जयंती किसान के परिश्रम, कृषि के महत्व तथा धरती और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है। इसी भावना को केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भगवान बलराम दिवस को प्रदेश में किसान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में स्वामी विवेकानंद सभागार,

कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 'भगवान बलराम जयंती-किसान दिवस' के अवसर पर 'छत्तीसगढ़ में दलहन, तिलहन एवं प्राकृतिक खेती' विषय पर राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम थे। कार्यक्रम में तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें डॉ. गिरिश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर डॉ. आर.आर.बी. सिंह, कुलपति दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग तथा डॉ. रवि रतन सक्सेना, कुलपति महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग शामिल रहे। इसके साथ ही राहुल देव, संचालक कृषि, छत्तीसगढ़ शासनय सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषदय राजेंद्र नायक, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंकय सहित कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ की बदहाल व्यवस्था के खिलाफ 7 सूत्रीय मांगों को लेकर आप ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एग्रीस्टेक और रकबा समर्पण के नाम पर किसानों से धोखा,लचर शिक्षा व्यवस्था,बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था, ख़राब सड़कें,बिजली बिल से हलाकान जनता,बढ़ता अवैध नशे का कारोबार और सड़क पर घूम रहे मवेशियों का व्यवस्थापन सहित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर दिनांक 16 सितम्बर 2026 को तहसीलदार /एसडीएम/कलेक्टर के माध्यम से सभी 90 विधानसभाओं में मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन दिया गया है ।

आप नेताओं ने कहा कि प्रदेश में किसान परेशान हैं,किसानों को इस साल भी महंगी यूरिया खाद लेना पड़ा,किसानों को एग्रीस्टेक और रकबा समर्पण के नाम पर धोखा बंद किया जाये, ताकि पिछले साल की भांति इस साल प्रदेश में किसानों को आत्महत्या ना करना पड़े और यदि ऐसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी तहसीलदार,एसडीएम और कलेक्टर की होगी। गरीब बच्चों के लिए सरकारी शिक्षा को सरकार ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया है, देश में प्रदेश शिक्षा के मामले में 34वें नंबर पर है जो कि शर्मनाक है। स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटीलेटर पर है,हर तरफ जर्ज़र सड़कें हैं, सड़को पर बैठे मवेशियों की जान जा रही है, बढ़े बिजली बिल से जनता त्रस्त है। प्रदेश की साय सरकार सिर्फ कार्यक्रमों में व्यस्त है!

आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ की ख़राब सड़को पर लगातार आवाज़ उठाती रही है और यह तानाशाही सरकार हमारे नेताओं को जेल भेजने का काम करती रही है और अब खुद मुख्यमंत्री साय जी ने मान लिया है कि प्रदेश में सड़को की हालत ख़राब है और अब वे नींद से जागे हैं!

आप की मुख्य 7 सूत्रीय मांगे :

किसानों को एग्रीस्टेक पंजीयन को सरल किया जाये और रकबा समर्पण के नाम पर धोखा देना बंद किया जाये। सरकारी स्कूलों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और गिरते शैक्षणिक स्तर में तुरंत सुधार किया जाये ।

अस्पतालों में डॉक्टरों, आवश्यक दवाइयों और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को दूर किया जाये । गौधाम योजना के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार की जांच और आवारा मवेशियों के उचित रखरखाव का तुरंत बंदोबस्त किया जाये । राज्य की जर्जर और गड्ढायुक्त सड़कों की तत्काल मरम्मत और पुनर्निर्माण किया जाये ।

बिजली के बढ़े हुए दामों और अनाप-शनाप बिलों को वापस लेकर जनता को राहत दिया जाये।

एनएच-30 पर दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक सवार की मौत

विश्व केसरी

बालोद/पुरुर। पुरुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 पर नयारा पेट्रोल पंप के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रायपुर से जगदलपुर की ओर जा रही मनीष ट्रेवल्स की बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार जीवन लाल सिन्हा, पिता रामेश्वर सिन्हा, निवासी वार्ड क्रमांक 03 चारामा की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस की टक्कर के बाद बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुरुर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले

की जांच शुरू कर दी है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जानकारी पुलिस जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगी।

पोलावरम से 18 गांवों पर डूबान का खतरा

विश्व केसरी

सुकमा (अमन भदौरीया)। बस्तरिया राज मोर्चा के संयोजक और पूर्व विधायक मनीष कुंजाम के नेतृत्व में कोंटा ब्लॉक के डूबान क्षेत्र के ग्राम डोंडरा में ग्रामीणों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सरपंच, पटेल, पेरमा, मांझी और युवाओं समेत ग्रामीण शामिल हुए और पोलावरम परियोजना से संभावित प्रभाव, जमीन से जुड़े विवाद तथा प्रभावित परिवारों के अधिकारों को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में मनीष कुंजाम ने ग्रामीणों को पोलावरम परियोजना से क्षेत्र पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव और डूबान क्षेत्र के लोगों की चिंताओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने कहा कि समस्या को लेकर अब सामूहिक स्तर पर पहल करने और आगे की रणनीति तय करने की जरूरत है।

जमीन से जुड़े मुद्दे पर भी बैठक में चर्चा हुई। ग्रामीणों का कहना है कि जिन जमीनों पर मूलवासी परिवार लंबे समय से खेती-किसानी करते आ रहे हैं, उनमें कुछ जमीनों के पट्टे बाहरी लोगों के नाम होने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने इन मामलों को उठाने

और अपने भूमि अधिकारों के संरक्षण के लिए एकजुट होकर आगे कार्रवाई करने पर सहमति जताई।

बैठक में तय किया गया कि 26 तारीख को दौरला समाज के स्थापना दिवस के अवसर पर पोलावरम, डूबान और जमीन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी तथा आगे की रणनीति तय की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने एम्स रायपुर में महाराष्ट्र सड़क हादसे के घायलों से की मुलाकात

विश्व केसरी

रायपुर। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा क्षेत्र के लोगों से उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने एम्स रायपुर पहुंचकर मुलाकात की। मंगलवार देर शाम रायपुर एम्स पहुंचे श्री शर्मा ने घायलों और उनके परिजनों से आत्मीयता से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी मुलाकात कर घायलों के उपचार की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, चल रहे उपचार और आगे की चिकित्सा प्रक्रिया के संबंध में चर्चा की तथा सभी घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम बांधाटोला निवासी पांच वर्षीय लुकेश पटेल, दो वर्षीय डाली पटेल और 26 वर्षीय ललिता पटेल से मुलाकात कर उनका हाल जाना। मासूम बच्चों सहित हादसे में घायल लोगों और उनके परिजनों के बीच पहुंचकर शर्मा ने उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि इस कठिन समय में सरकार और प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उप मुख्यमंत्री शर्मा हादसे के बाद लगातार परिवार जनों से संपर्क बनाए हुए हैं, अस्पताल में भर्ती से लेकर घायलों के उपचार तक निरंतर संपर्क कर पीड़ित परिवारों को सहायता प्रदान कर रहे हैं।

करोड़ों की लागत से बनी सेमरा पारा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जर्जर

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर पंचायत अंतागढ़ अंतर्गत सेमरा पारा में अधिकारी-कर्मचारियों के निवास के लिए हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित आवासीय कॉलोनी इन दिनों बदहाली का शिकार है। करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित इस कॉलोनी के भवन निर्माण के कुछ ही समय बाद जर्जर अवस्था में पहुंचने लगे हैं। वर्ष 2023 में तैयार बताई जा रही इस कॉलोनी का अब तक लोक निर्माण विभाग को विधिवत हैंडओवर नहीं किया गया है। इसके बावजूद राजस्व विभाग द्वारा भवनों का आवंटन किए जाने से पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बिना हैंडओवर के आवंटन, लेनदेन की चर्चाओं से गरमाया मामला

सेमरा पारा में निर्मित अधिकारी-कर्मचारी आवासीय कॉलोनी को लेकर अब कई तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कॉलोनी का निर्माण पूरा होने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा भवनों का हैंडओवर नहीं लिया गया। इसके बावजूद राजस्व विभाग की ओर से आवासों का आवंटन कर दिया गया।

बिना हैंडओवर के भवनों का आवंटन किस आधार पर किया गया, इसकी प्रक्रिया क्या रही और क्या आवंटन से पहले भवनों की गुणवत्ता की जांच की गई थी, ये सवाल अब महत्वपूर्ण हो गए हैं। वहीं, आवंटन प्रक्रिया में लेनदेन की चर्चाएं भी क्षेत्र में सुर्खियां बनी हुई हैं। हालांकि, लेनदेन के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होने पर ही इसकी वास्तविकता सामने आ सकेगी।

अस्पताल के सर्जन डॉक्टर के आवास की मरम्मत में खुली निर्माण की पोल

मामला तब और गंभीर हो गया, जब अंतागढ़ अस्पताल में पदस्थ सर्जन डॉक्टर के लिए बनाए गए खाली आवास की मरम्मत का काम शुरू किया गया। मरम्मत के दौरान भवन की निर्माण गुणवत्ता से जुड़ी कई खामियां सामने आने लगीं।

मरम्मत कार्य के दौरान फर्श धंसने की स्थिति सामने आई। वहीं, भवन की दीवारों पर सीलन, छत से पानी टपकने और दरवाजे-खिड़कियों के टूटने जैसी समस्याएं भी दिखाई दीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भवन निर्माण में किस स्तर की गुणवत्ता का पालन किया गया होगा।

लाखों-करोड़ों रुपए की लागत से तैयार किए गए भवनों का कुछ ही समय में इस तरह जर्जर होना निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि भवन निर्माण के दौरान गुणवत्ता की जांच और तकनीकी निरीक्षण सही तरीके से किया गया होता, तो क्या आज मरम्मत के दौरान इस तरह की खामियां सामने आतीं? यह जांच का विषय है।

करोड़ों की कॉलोनी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने की आशंका

सेमरा पारा में बनाई गई इस आवासीय कॉलोनी का उद्देश्य अधिकारी-कर्मचारियों को बेहतर आवास उपलब्ध कराना था, लेकिन वर्तमान स्थिति में भवनों की हालत इस उद्देश्य पर सवाल खड़े कर रही है। करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित कॉलोनी के भवनों में निर्माण के कुछ समय बाद ही फर्श धंसना, सीलन आना और छत से पानी टपकना जैसी समस्याएं सामने आना गंभीर चिंता का विषय है।

स्थानीय स्तर पर कॉलोनी को लेकर भ्रष्टाचार की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखा गया होता, तो इतनी जल्दी भवनों की मरम्मत की आवश्यकता नहीं पड़ती। अब जरूरत है कि निर्माण कार्य की लागत, उपयोग की गई सामग्री, तकनीकी स्वीकृति, गुणवत्ता परीक्षण और भुगतान की पूरी प्रक्रिया की जांच की जाए।

रहवासी अपने स्तर पर करा रहे मरम्मत, जिम्मेदार विभाग मौन

कॉलोनी के जिन भवनों में अधिकारी-कर्मचारी निवास कर रहे हैं, वहां भी समस्याएं बनी हुई हैं। रहवासी अपने स्तर पर मरम्मत कर किसी तरह काम चला रहे हैं। भवनों की स्थिति को देखते हुए यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि सरकारी आवासों में रहने वाले कर्मचारियों को ही अपने खर्च पर मरम्मत करानी पड़ रही है, तो निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी क्या है? वहीं, भवनों के जर्जर होने के बावजूद अब तक हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी नहीं होने से विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

लोक निर्माण विभाग: निर्माण में कई खामियां, इसलिए नहीं लिया हैंडओवर

इस पूरे मामले में लोक निर्माण विभाग का कहना है कि निर्माण कार्य में कई खामियां पाए जाने के कारण विभाग ने कॉलोनी का हैंडओवर नहीं लिया है। विभाग के अनुसार, भवनों की गुणवत्ता और निर्माण से जुड़ी कमियों के चलते कॉलोनी को स्वीकार नहीं किया गया। लोक निर्माण विभाग के इस बयान से यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि जब विभाग को निर्माण में खामियां पहले से ही नजर आ रही थीं, तो फिर भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद भी कमियों का निराकरण क्यों नहीं कराया गया? और बिना हैंडओवर के ही भवनों का आवंटन कैसे हो गया?

हाउसिंग बोर्ड के एसडीओ काशी प्रकाश का कहना है कि कॉलोनी को हैंडओवर करने के लिए लोक निर्माण विभाग को कई बार अवगत कराया गया था।

संपादकीय

दिया जलाओ, लेकिन दिल नहीं

राकेश अचल

प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के 76 वें जन्मदिन को भाजपा सेवा संकल्प दिवस के रूप में मना रही है. पार्टी ने मोदीजी को आशीर्वाद देने के लिए घर-घर एक दीपक जलाने की अपील की है.

प्रधानमंत्री मोदीजी शतायु हों, 2047 का भारत वे अपनी आंखों से देखें, ये मेरी शुभकामनायें हैं. मैं मोदीजी को आशीर्वाद देने का पात्र नहीं हूँ, लेकिन सलाह देने में मुझे कोई संकोच नहीं है. इसलिए मैं माननीय मोदीजी को सलाह देना चाहता हूँ कि मोदीजी अब देश की चौकीदारी छोडकर नानाजी देशमुख वाला रास्ता चुनें तो उनके राजनीतिक विफलताओं पर सफलतापूर्वक पर्दा डाल सकते हैं.

मोदीजी आजादी के बाद का उत्पाद हैं. वे स्वतंत्रता सेनानी नहीं हैं लेकिन लोकतंत्र सेनानी हैं. उनका लंबा प्रचारक जीवन है. वे राजनीति में भी पिछले दो दशक से ज्यादा समय से हैं. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी उन्हे 12 साल हो चुके हैं. उनके 56' के सीने पर विदेशों के तीन दर्जन सम्मान तमगे भी आभा बिखेर रहे हैं.

एक प्रधानमंत्री के रुप में माननीय मोदीजी को और क्या चाहिए? यश, अपयश, वैभव सब उनके पास इफरात में है. लालकृष्ण आडवाणी जी से भी ज्यादा, लेकिन वे अटल बिहारी बाजपेई, राजीव गांधी, इंदिरा गांधी, लालबहादुर शास्त्री या पंडित जवाहरलाल नेहरू तो हो नहीं सकते. इसलिए उन्हे अब सत्ता का मोह छोड देना चाहिए.

मोदीजी के प्रति मेरे मन में अपार करुणा है. इस समय वे अनाथ हैं. न माँ रही न पत्नी. इस लिहाज से वे सन्यासी हैं. उन्हे सत्ता सोहती नहीं. वैसे भी अब जेनजी का युग है. वे इस पीढी के नेता हो नहीं सकते. क्योंकि यदि उमा भारती की नजर में लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी डुकरा (वृद्ध) हो गए हैं तो मोदीजी तो पडदादा हो चुके हैं. उन्हे अपने पीछे कतारबद्ध खडे नेताओं के लिए जगह खाली कर देना चाहिए.

मैने आधी सदी में पंडित जवाहरलाल नेहरू और लालबहादुर शास्त्री को छोडकर सभी प्रधानमंत्रियों को काम करते देखा है. कुछ अति लोकप्रिय रहे, कुछ कम. कुछ नायक रहे तो एक-दो खलनायक भी बनाए गए, माननीय मोदीजी अकेले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो जितने बडे नायक हैं उससे बडे खलनायक भी बनाए जा चुके हैं. लेकिन मोदी जी अपनी बनती, बिगडती छवि के प्रति बेपरवाह है.

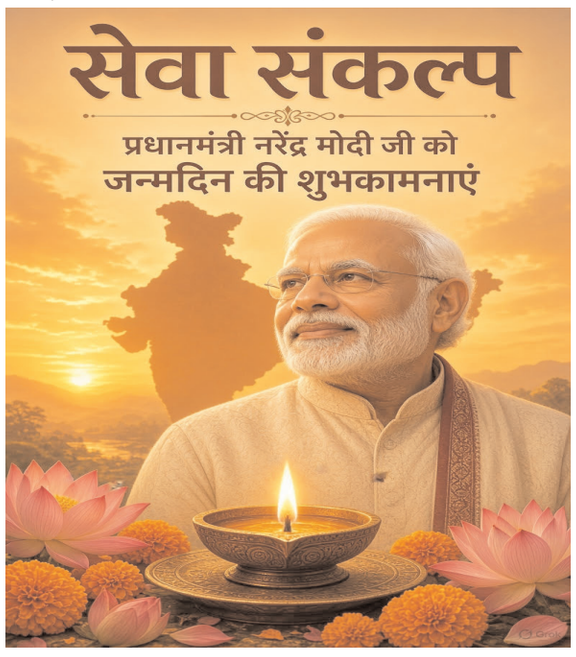

मोदीजी अकेले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनका उत्तम स्वास्थ्य गालियों की वजह से उत्तम है. ऐसा स्वयं उन्होने कहा. लोग जब मोदीजी के प्रति घृणा से देखते हैं तो मेरा मन दृवित हो जाता है. अलवत्ता देश की राजनीति में घृणा का बीजारोपण का श्रेय भी मोदीजी को जाता है. राजनीति में ध्रुवीकरण पुराना रोग था लेकिन उसे नफरत में मोदीजी की अगुवाई में तब्दील किया गया.

बहरहाल माननीय मोदीजी के बारह साल के कार्यकाल में उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त है तो नाकामियों की भी लंबी सूची है. दोनों को देखकर आप जो धारणा मोदीजी के बारे में बनाने के लिए स्वतंत्र हैं. मेरी नजर में मोदीजी सच्चे साखामृग, पक्के प्रचारक और जिद्दी प्रधानमंत्री हैं. वे पीछे मुडकर नहीं देखते. पीछे मुडकर देखने से आगे का रास्ता कठिन भी होता है और आसान भी. मोदीजी के कार्यकआल में पहली बार मार्गदर्शक मंडल बनाया गया था. अब यही मार्गदर्शक मंडल बेसब्री से मोदीजी की प्रतीक्षा कर रहा है.वे इसमें शामिल होंगे या नहीं ये सिर्फ मोदीजी जानते हैं.

मोदीजी इस समय दुनिया के सबसे बडे रानीतिक दल के नेता हैं. ये गौरव की बात है. वे अपने पूर्ववर्तियों के अनेक कीर्तिमान ध्वस्त कर चुके हैं. अब सही समय है कि वे सम्मानजनक ढंग से विदाई ले लेंअन्यथा मुमकिन है कि जनादेश उन्हे अस्वीकार कर दे. वैसे भी मोदीजी इस समय बैशाखी सरकार चला रहे हैं.

आप मोदीजी को आशीर्वाद देने के लिए दीपक जलाएं या शंख बजाएं. फल वितरण करें या लड्डू बांटें. ये आपकी मर्जी है. मैं मोदीजी के शतायु होने की कामना करता हूँ. भले ही मैं उनकी मुखालफत करने वालों में गिना जाता हूँ।

भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार-मुक्त भारत तक पसरी चुनौतियां

ललित गर्ग

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सबसे खतरनाक क्षण वह नहीं होता जब कोई व्यक्ति चोरी करता है, बल्कि वह होता है जब समाज चोरी को सामान्य मानने लगता है। जब रिश्वत को 'सुविधा शुल्क', कमीशन को 'व्यवस्था', राजनीतिक पहुंच को 'सिफारिश' और नियम तोड़ने को 'काम निकालने की कला' कहा जाने लगे, तब भ्रष्टाचार केवल कानून की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कार का संकट बन जाता है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सामने आया कथित वीडियो इसी भयावह मानसिकता का प्रतीक बनकर हमारे सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग नगर निगम की आय को आपस में बांटने की शपथ लेते दिखाई दिए। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और वीडियो की परिस्थितियों व प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि उसमें कौन दिखाई दे रहा है और उन्होंने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार अब इतना निर्भीक हो गया है कि उसे छिपाने के बजाय उसके बंटवारे की भी शपथ ली जा सकती है? अगर किसी सार्वजनिक संस्था से जुड़े लोग सार्वजनिक धन को निजी हिस्सेदारी की तरह देखने लगें तो यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार के संदर्भ में 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' का संकल्प सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था। उसके बाद भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनेक संस्थागत और डिजिटल उपायों पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार ने भी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति दोहराई है, लोकपाल को भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए वैधानिक भूमिका प्राप्त है और केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका निगरानी तथा निवारक सतर्कता में महत्वपूर्ण है। फिर भी प्रश्न बचा हुआ है-क्या कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं, यदि भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता बनी रहे? भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने को नहीं होता। उसका सबसे बड़ा शिकार वह सामान्य नागरिक होता है जो लाइन में खड़ा है, टैक्स देता है, नियमों का पालन करता है और बदले में अपनी ही व्यवस्था से न्याय चाहता है। जिस सड़क का निर्माण होना था, वह घटिया बनती है तो नागरिक उसका मूल्य चुकाता है। जिस अस्पताल में दवा उपलब्ध होनी चाहिए, वहां कमी होती है तो गरीब मरीज कीमत चुकाता है। जिस सरकारी कार्यालय में काम समय पर होना चाहिए, वहां रिश्वत मांगी जाती है तो ईमानदार नागरिक की गरिमा पर चोट होती है।

ट्रांसप्रेंसी इंटरनेशनल के 2025 करप्शन परशेप्संस इंडेक्स में भारत को 39/100 अंक और 182 देशों में 91वां स्थान मिला। इसी संस्था के उपलब्ध ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर आंकड़ों में 39 प्रतिशत सार्वजनिक सेवा उपयोगकर्ताओं ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत देने की बात बताई थी, ये आंकड़े 2020 के एशिया सर्वे से संबंधित हैं, इसलिए इन्हें वर्तमान वर्ष की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं माना जाना चाहिए। आंकड़े हमें चेताते हैं, लेकिन उससे भी अधिक भयावह वह मानसिकता है जिसमें व्यक्ति भ्रष्टाचार का विरोध तब करता है जब वह स्वयं उसका शिकार बनता है। जब कोई काम पैसे देकर जल्दी हो जाता है, तो वही व्यवस्था हमें सुविधाजनक लगने लगती है। यहीं से भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति मिलती है।

भ्रष्टाचार का एक चेहरा आर्थिक है, दूसरा सत्ता-संस्कृति का। राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल व्यक्तिगत सुविधा के लिए होना भी सार्वजनिक नैतिकता को कमजोर करता है। इसका एक दिखाई देने वाला उदाहरण धार्मिक स्थलों पर वीआईपी दर्शन की संस्कृति है। देश के अनेक प्रमुख मंदिरों में सामान्य श्रद्धालु घंटों कतार में खड़ा रहता है, जबकि प्रभावशाली व्यक्ति विशेष व्यवस्था से दर्शन कर लेता है। यह प्रश्न केवल मंदिर-प्रबंधन का नहीं है, यह समानता की लोकतांत्रिक भावना का प्रश्न है। आस्था में व्यक्ति छोटा-बड़ा नहीं होता। यदि सार्वजनिक व्यवस्था में पद, पैसा और पहुंच सामान्य नागरिक के अधिकार से ऊपर खड़े होने लगें तो लोकतंत्र का मूल भाव कमजोर पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि विशेष परिस्थितियों-जैसे सुरक्षा, दिव्यांगता, बुजुर्गों या विशिष्ट आधिकारिक दायित्व को छोड़कर वीआईपी संस्कृति को धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में स्पष्ट मानक बनाए जाएं। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि कुछ लोग हमेशा आगे रहें और बाकी नागरिक हमेशा कतार में।

आज डिजिटल इंडिया ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन बनाया है। इससे पारदर्शिता बढ़ाने और प्रत्यक्ष संपर्क घटाने में मदद मिली है। लेकिन जहां प्रक्रिया अस्पष्ट है, अधिकारी के पास अत्यधिक विवेकाधिकार है या शिकायत का प्रभावी समाधान नहीं है, वहां डिजिटल व्यवस्था के बावजूद भ्रष्टाचार के नए रास्ते निकल सकते हैं। जीएसटी जैसे जटिल कर-प्रशासन में भी पारदर्शिता, स्पष्ट नियम, जोखिम-आधारित जांच और अधिकारी की जवाबदेही अत्यंत जरूरी हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि पूरा विभाग भ्रष्ट है, बल्कि किसी भी बड़े प्रशासनिक तंत्र में व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि ईमानदार अधिकारी सुरक्षित रहे और भ्रष्ट आचरण छिपा न सके। भ्रष्टाचार का इलाज केवल छापे और निलंबन नहीं है। इलाज है-कम विवेकाधिकार, अधिक पारदर्शिता, समयबद्ध सेवा, डिजिटल ट्रैकिंग, स्वतंत्र शिकायत-निवारण और निश्चित जवाबदेही।

आज जरूरत एक नई शपथ की है। ऐसी शपथ जो केवल समारोह में न ली जाए, बल्कि हर दिन प्रशासनिक निर्णय में दिखाई दे-सरकारी पद सुविधा नहीं, जिम्मेदारी है। जनता से मिला अधिकार निजी लाभ का साधन नहीं, लोकसेवा का अवसर है। सार्वजनिक धन पर पहला अधिकार जनता का है। न रिश्वत लेंगे, न दिलाएंगे, न किसी भ्रष्ट व्यक्ति को संरक्षण देंगे। और यदि हमारे सामने भ्रष्टाचार होगा तो मौन रहना भी अपनी जिम्मेदारी से भागना माना जाएगा। राजनेताओं के लिए भी सबसे बड़ी कसौटी चुनाव जीतना नहीं, सार्वजनिक विश्वास को बनाए रखना होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को आरोप सिद्ध होने की प्रतीक्षा के साथ-साथ नैतिक आचरण के स्पष्ट मानक भी विकसित करने होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों को भी यह संदेश देना होगा कि ईमानदारी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, संस्थागत संस्कृति है। भ्रष्टाचार केवल नेता या अधिकारी पैदा नहीं करते। उसकी जमीन समाज में भी तैयार होती है। जब हम अपने बच्चे को कहते हैं- 'किसी तरह काम करा लो', जब हम नियम तोड़कर गर्व महसूस करते हैं, जब हम अपने परिचित के लिए नियम बदलवाना चाहते हैं, जब हम रिश्वत देकर अपना काम जल्दी करवाकर खुश होते हैं-तब हम उसी व्यवस्था को मजबूत करते हैं जिसकी शिकायत अगले दिन करते हैं। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई सरकार बनाम जनता की लड़ाई नहीं हो सकती। यह सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल, न्याय व्यवस्था, मीडिया, उद्योग और नागरिक-सभी की साझा जिम्मेदारी है।

लोकपाल ने 2025 में अपना नया संदेश रखा-''इम्पावर सिटिजन्स, एक्सपोज करप्शन'' यानी नागरिकों को सशक्त बनाइए और भ्रष्टाचार को उजागर कीजिए। यह दिशा महत्वपूर्ण है, क्योंकि भ्रष्टाचार तभी कमजोर होगा जब शिकायत करने वाला नागरिक स्वयं को असहाय नहीं, व्यवस्था का सक्रिय भागीदार महसूस करेगा। हम 2047 के विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज सड़कों, बड़े उद्योगों और विशाल अर्थव्यवस्था का नाम नहीं है। विकसित भारत वह होगा जहां नागरिक को अपना वैध काम कराने के लिए किसी की जेब गर्म न करनी पड़े, जहां पद प्रतिष्ठा का नहीं, उत्तरदायित्व का प्रतीक हो, जहां कानून प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के लिए अलग-अलग न हो।

शाहजहांपुर का कथित वीडियो जांच का विषय है, लेकिन उससे उठने वाला सवाल पूरे देश का है। गंगाजल हाथ में लेकर भ्रष्टाचार के बंटवारे की कथित शपथ यदि सच साबित होती है तो यह केवल कुछ व्यक्तियों का नैतिक पतन नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन के लिए एक कठोर चेतावनी होगी। और यदि वीडियो भ्रामक या संपादित पाया जाता है, तब भी ऐसी सामग्री का तेजी से फैलना बताता है कि भ्रष्टाचार को लेकर समाज में अविश्वास कितना गहरा है। संबंधित पार्षदों ने वीडियो को लेकर संपादन और बदनाम करने का आरोप भी लगाया है, इसलिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। अब समय है कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ केवल भाषण न दें, व्यवस्था को ऐसा बनाएं जिसमें भ्रष्टाचार करना कठिन, छिपाना असंभव और ईमानदारी से काम करना सहज हो।

गाँवों की बदलती तस्वीर में दिखाई देता मोदी युग का भारत

आचार्य ललित मुनि

गाँव की सुबह आज भी पहले जैसे ही शुक्र तारे के उदय से होती है। मुर्गा बांग लगाता है और सुकवा याने शुक्र तारे देखते ही किसान खाट छोड़कर खेतों की ओर निकल पड़ता है। आँगन में बुहारी लगाती महिलाएँ और स्कूल जाते बच्चे उसी ग्रामीण भारत की याद दिलाते हैं, जिसे हमने देखा है। मगर इस दृश्य को ठहरकर देखें तो तस्वीर में कई नई चीजें दिखाई देती हैं।

जिस घर की रसोई में कभी लकड़ी और उपलों का धुआँ भरा रहता था, वहाँ अब गैस का चूल्हा दिखाई देता है। जिस परिवार के लिए खुले में शौच जाना मजबूरी था, उसकी बखरी में अब शौचालय है। जिस महिला को पानी के लिए दूर जाना पड़ता था, उसके आँगन में नल लगा है। किसान के खाते में सहायता सीधे पहुँच रही है और किराने की दुकान पर युवक मोबाइल से भुगतान कर रहा है।

गाँव बदला है तो केवल इसलिए नहीं कि वहाँ कुछ नई चीजें दिखाई देने लगी हैं। असली बदलाव यह है कि गाँव में सुविधा, राज्य और तकनीक की पहुँच बढ़ी है। पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने ग्रामीण भारत को लेकर अनेक योजनाएँ लागू कीं। इन योजनाओं को एक परिवार के जीवन में साथ देखें तो एक व्यापक तस्वीर उभरती है।

हमारे जमाने में गैस और टेलीफोन कनेक्शन आसानी से नहीं मिलते थे। 2016 में शुरू हुई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने गरीब परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया। सरकार के अनुसार जुलाई 2024 तक 10.33 करोड़ से अधिक कनेक्शन जारी किए जा चुके थे। जिस महिला ने पहली बार गैस का चूल्हा देखा, उसके लिए यह बदलाव आँकड़े से कहीं बड़ा है।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण ने शौचालय को ग्रामीण जीवन के केंद्र में ला दिया। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य खुले में शौच की समस्या समाप्त करना और ग्रामीण स्वच्छता मजबूत करना था। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2019 तक देश के सभी गाँवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया। अब दूसरे चरण में ह्ष्ठस्न क्क्यह्लह्य गाँवों पर जोर है। शौचालय बनना निर्माण कार्य है, उसका उपयोग आदत में बदलना सामाजिक परिवर्तन है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया। कच्चे घर से पक्के घर की ओर जाना केवल निर्माण सामग्री बदलना नहीं है। बरसात में छत टपकने और दीवार गिरने की चिंता भी उससे जुड़ी है। इन घरों को बिजली, शौचालय, एलपीजी और नल-जल जैसी सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास हुआ। ये सुविधाएँ साथ पहुँचती हैं तो बदलाव जीवन में दिखाई देता है।

जल जीवन मिशन ने ग्रामीण घरों में नल से पानी पहुँचाने को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। 15 अगस्त 2019 को ग्रामीण घरों में नल कनेक्शन की कवरेज लगभग 16.7 प्रतिशत थी, जबकि मार्च 2026 तक सरकारी आँकड़ों में यह 81 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। इसका महत्व खासकर महिलाओं के लिए है, क्योंकि पानी लाने में समय लगता है।

किसान के लिए खेती आज भी मौसम और बाजार के बीच संतुलन बनाने का नाम है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को सालाना 6,000 रुपये की सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा और सिंचाई जैसी योजनाओं का भी विस्तार हुआ है। इससे खेती का जोखिम समाप्त नहीं होता, लेकिन सरकार और किसान के बीच आर्थिक लेन-देन का सीधा रास्ता जरूर बना है।

जनधन योजना ने ऐसे करोड़ों लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया जो औपचारिक बैंकिंग से बाहर थे। जनधन खाता, आधार और मोबाइल के मेल ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को विस्तार दिया।

बोध कथा

सच्चा प्रजपालक

एक बार महाराजा अशोक के राज्य में अकाल पड़ा। जनता भूख तथा प्यास से त्रस्त हो उठी। राजा ने तत्काल राज्य में अन्न के भंडार खुलवा दिए। सुबह से लेने वालों का ताँता लगता और शाम तक न टूटता।

एक दिन संध्या हो गई। जब सब लेने वाले निकट गए तो एक कृशकाय बूढ़ा उठा और उसने अन्न माँगा। बाँटने वाले भी थक चुके थे अत: उन्होंने उसे डाँटकर कहा-कल आना आज तो अब खैरात बंद हो गई।''तभी एक हृष्ट-पुष्ट शरीर के नवयुवक जैसा व्यक्ति आया और बाँटने वालों से बोला-बेचारा बूढ़ा है। मैं देख रहा हूँ बड़ी देर से बैठा है यह।

शरीर से दुर्बल होने के कारण सबसे पीछे रह गया है। इसे अन्न दे दो।''उसकी वाणी में कुछ ऐसा प्रभाव था कि बाँटने वालों ने उसे अन्न दे दिया।

उस नवयुवक की सहायता से उसने गठरी बाँध ली। अब उठे कैसे? तब वही युवक बोला-लाओ मैं ही पहुँचाए देता हूँ।'' और गठरी उठाकर पीछे-पीछे चलने लगा।बूढ़े का घर थोड़ी दूर पर रह गया था। तभी एक सैनिक टुकड़े उधर से गुजरी। टुकड़ी के नायक ने घोड़े पर से उतर कर गठरी ले जाने वाले का फौजी अभिवादन किया।

उस व्यक्ति ने संकेत से आगे कुछ बोलने को मना कर दिया। फिर भी बूढ़े की समझ में कुछ-कुछ आ गया। वह वहीं खड़ा हो गया और कहने लगा-आप कौन हैं,सच-सच बताइए।''

वह व्यक्ति बोला-मैं एक नौजवान हूँ और तुम वृद्ध हो,दुर्बल हो। बस इससे अधिक परिचय व्यर्थ है। चलो बताओ तुम्हारा घर किधर है।'' पर अब तक बूढ़ा पूरी तरह पहचान चुका था। वह पैरों में गिर गया और क्षमा माँगते हुए बड़ी मुश्किल से बोला-प्रजापालक आप सच्चे अर्थों में प्रजापालक हैं।''

कविता

नन्हा मन, नई उड़ान

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

नन्हे हाथों में सजे,
सपनों के संसार।
कंप्यूटर से सीखता,
बच्चा नया विचार॥

देखे चित्रों में छिपे,
ज्ञान भरे उपहार।
खेल-खेल में सीखता,
जीवन का व्यवहार॥

पढ़ना-लिखना सीखकर,
बढ़ता जाए ज्ञान।
मेहनत से ही एक दिन,
ऊँचा होगा मान॥

किताबों से दोस्ती,
गुरु का रख सम्मान।
अच्छी बातें सीखकर,
रोशन करे जहान॥

दूध-फल और जल पिए,
रखे तन को तंदुरुस्त।
खेल-कूद से खिल उठे,
मन भी रहे चुस्त॥

माँ-बाबा का मान रख,
सबका कर सम्मान।
नन्हा दीपक बनकर तू,
रोशन कर संसार॥

मोबाइल हो या कंप्यूटर,
साधन हैं ये मात्र।
ज्ञान बढ़ाने में करें,
इनका उपयोग पात्र॥

आज नन्ही सी उम्र है,
कल होगा बलवान।
सच्चाई और नेकियों से,
बनना बड़ा इंसान॥

व्यंग्य केसरी

भाषण हिंदी में, व्हाट्सएप रोमन में

रविकान्त राऊत

चौदह सितंबर की सुबह दफ्तर के नोटिस बोर्ड पर एक चमकीला पोस्टर चस्पा हुआ — 'Hindi Pakhwada: 14 to 28 September, Celebrate Our Mother Tongue!' पोस्टर का शीर्षक अंग्रेज़ी में था, नीचे मोटे अक्षरों में हिंदी में लिखा था, 'अपनी भाषा पर गर्व करें।' जिस बाबू ने यह पोस्टर बनाया, उसने कंप्यूटर पर हिंदी कीबोर्ड ढूंढने में इतना वक्त गंवाया कि आखिर में पूरा मैटर अंग्रेज़ी में टाइप कर के गूगल ट्रांसलेट से हिंदी करवाना पड़ा, इस उम्मीद के साथ कि कोई शब्द अजीब न निकले। संयोग से एक जगह 'प्राउड' का अनुवाद 'गर्भवती' छपते-छपते बचा, वरना उद्घाटन समारोह में ही एक और उद्घाटन हो जाता।

मुख्य अतिथि जीएम साहब मंच पर आए, माइक संभाला, भाषण शुरू किया — 'आज हम सब यहां एकत्रित हुए हैं ताकि अपनी राजभाषा के प्रति... एक्चुअली, कमिटमेंट को रिन्यू कर सकें।' ज़ोरदार तालियां बजीं। पीछे बैठे तीन बाबू आपस में फुसफुसाए, 'सर ने राजभाषा दिवस पर ही राजभाषा को बीच रास्ते छोड़ दिया।' भाषण खत्म होते ही जीएम साहब मंच से उतरे और पीए से पूछा, 'व्हाट अबाउट हाई टी?' -ठेठ अंग्रेज़ी में, मानो हिंदी सिर्फ मंच तक सीमित एक वर्दी हो, जो भाषण खत्म होते ही उतार कर क्लोकरूम में टांग दी जाती है।

इसी बीच 'श्रेष्ठ हिंदी निबंध' प्रतियोगिता का परिणाम घोषित हुआ। विजेता निबंध का शीर्षक था 'मातृभाषा का महत्व', निर्णायक मंडल ने इसे भाव, भाषा और मौलिकता तीनों में उत्कृष्ट बताया। बाद में पता चला कि निबंध पहले चैटजीपीटी से अंग्रेज़ी में लिखवाया गया, फिर उसी ने हिंदी अनुवाद कर पेल दिया गयाऔर लेखक महोदय ने सिर्फ अपना नाम हाथ से हिंदी में लिखा, बाकी पूरा दस्तावेज़ प्रिंटर से निकला हुआ था। पुरस्कार में मिला पांच सौ रुपये का चेक, जिसे जीतने वाले सज्जन ने उसी शाम दोस्तों के व्हाट्सएप ग्रुप में यह लिखकर सेलिब्रेट किया — 'Guys, hindidiwasmeinmera essay first aaya, party pakki!'

शाम को 'हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति' का व्हाट्सएप ग्रुप भी जमकर सक्रिय रहा। ग्रुप का नाम देवनागरी में था, पर मैसेज कुछ यूं थे - 'Please sabko reminder bhejdein attendance keliye।' किसी ने मज़ाक में लिख भी दिया, 'भाई हिंदी दिवस की प्लानिंग हिंदी में ही हो जाए तो सोने पे सुहागा', जिस पर एक ठहाके वाला इमोजी आया, फिर बात फिर वहीं अंग्रेज़ी में आगे बढ़ गई, क्योंकि डेडलाइन नज़दीक थी और वक्त कम।

पखवाड़ा जब पूरा हुआ, नोटिस बोर्ड से पोस्टर उतार दिया गया, फाइल में एक फोटोग्राफ और एक रिपोर्ट लगा दी गई जिसमें लिखा था, 'आयोजन अत्यंत सफल एवं उत्साहवर्धक रहा।' यह रिपोर्ट भी पहले अंग्रेज़ी में टाइप हुई थी, बाद में हिंदी में ढाली गई, क्योंकि दफ्तर का टेम्पलेट वैसा ही सेव था। अगले साल तक फिर भाषा वही रहेगी जो साल भर दफ्तर में चलती है, फिर माइक पर सिर्फ पंद्रह दिनों के लिए हिंदी उधार ले ली जायेगी।

इतिहास

17 सितंबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और ऐतिहासिक बदलावों से जुड़ा है। इस दिन के बारे में अधिक जानकारी 17 सितम्बर - विकिपीडिया पर देख सकते हैं।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1630: अमेरिका के बॉस्टन शहर की स्थापना हुई।1787: अमेरिका का संविधान आधिकारिक रूप से अपनाया गया।1948: हैदराबाद रियासत का भारत में विलय हुआ (ऑपरेशन पोलो के तहत)।1949: दक्षिण भारतीय राजनीतिक दल 'द्रविड़ मुनेत्र कड़गम' (DMK) की स्थापना हुई।1956: भारतीय तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (ONGC) का गठन किया गया।1982: भारत और श्रीलंका के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला गया।

एग्री स्टेक पंजीयन में किसानों की परेशानी, विभागीय अनदेखी से संयुक्त खातेदारों के मामले अटके

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। 2.05 लाख हेक्टेयर में धान की खेती, समर्थन मूल्य पर धान बेचने से पहले पंजीयन को लेकर किसान लगा रहे चक्कर जिले में एग्री स्टेक पंजीयन की प्रक्रिया किसानों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। खासकर संयुक्त खातेदारों के पंजीयन और लंबित आवेदनों के निराकरण को लेकर किसान राजस्व विभाग से लेकर कलेक्ट्रेट स्थित कृषि विभाग के कार्यालय तक चक्कर लगा रहे हैं। किसानों का आरोप है कि समस्या के समाधान के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। कई किसान अधिकारियों को फोन कर रहे हैं, लेकिन फोन रिसीव नहीं होने की शिकायत भी सामने आ रही है।

जिले में एग्री स्टेक पंजीयन के लिए बड़ी संख्या में किसान प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। उपलब्ध विभागीय आंकड़ों के अनुसार सीएससी के माध्यम से अब तक 1 लाख 96 हजार 809 किसानों का

पंजीयन किया जा चुका है। इनमें से 1,177 मामले अभी भी लंबित बताए जा रहे हैं। वहीं 9,692 किसानों ने सेल्फ रजिस्ट्रेशन किया है। इनमें भी अप्रूवल के लिए मामले पेंडिंग होने की स्थिति बताई जा रही है। ऐसे में पंजीयन कराने के बाद भी किसानों को प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना पड़ रहा है।

संयुक्त खातेदारों की बढ़ी परेशानी

एग्री स्टेक पंजीयन में संयुक्त खाते वाले किसानों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जमीन में एक से अधिक खातेदार होने की स्थिति में पंजीयन की प्रक्रिया में आने वाली तकनीकी और दस्तावेज संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए किसान संबंधित विभागों के चक्कर लगा रहे हैं। किसानों का कहना है कि गांव स्तर पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने के कारण उन्हें कभी राजस्व विभाग तो कभी कृषि विभाग के कार्यालय जाना पड़ रहा है।

स्थिति यह है कि किसान अपनी समस्या लेकर बेमेतरा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कृषि विभाग कार्यालय पहुंच रहे हैं। यहां से उन्हें पंजीयन कराने के निर्देश तो दिए जा रहे हैं, लेकिन लंबित मामलों के निराकरण को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। किसानों का कहना है कि यदि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें और लंबित आवेदनों का समय पर निराकरण कराएं तो उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

दो महीने बाद धान बेचने की तैयारी

एग्री स्टेक पंजीयन को लेकर किसानों की चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि खरीफ सीजन की धान फसल तैयार होने के बाद किसानों को समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए पंजीयन संबंधी प्रक्रिया पूरी करनी है। आगामी करीब दो महीने में धान खरीदी शुरू होने की तैयारी होगी। जिले में इस साल करीब 2 लाख 5 हजार हेक्टेयर में धान की खेती हो रही है। ऐसे में बड़ी संख्या में किसानों के लिए एग्री स्टेक पंजीयन महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। किसानों का कहना है कि अभी पंजीयन और लंबित मामलों के निराकरण में ही समय लग रहा है। यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो धान खरीदी के समय किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से संयुक्त खातेदारों के मामलों को लेकर अभी से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही है।

कार्यालय से निर्देश, मैदान में किसानों को परेशानी

किसानों का कहना है कि कृषि विभाग द्वारा कार्यालय में बैठकर एग्री स्टेक पंजीयन कराने के निर्देश जारी किए जा रहे हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति गांवों में अलग है। किसान तकनीकी प्रक्रिया और दस्तावेजों को लेकर असमंजस में हैं। जिन किसानों का आवेदन किसी कारण से लंबित हो गया है, उन्हें यह जानकारी नहीं मिल पा रही है कि किस स्तर पर समस्या है और उसका निराकरण कब तक होगा। किसानों का आरोप है कि लंबे समय से विभाग के उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर की समस्याओं की पर्याप्त मॉनिटरिंग नहीं की जा रही है। यही वजह है कि छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी किसानों को जिला मुख्यालय पहुंचना पड़ रहा है।

पानी सप्लाई पर संकट गहराया, 310 करोड़ के बिजली बिल बकाये का असर

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। नगर निगम पर बिजली बिल का करीब 310 करोड़ रुपए का बकाया अब शहर की जरूरी सेवाओं पर असर डालने लगा है। बकाया बिल का भुगतान समय पर नहीं होने के कारण बिजली कंपनी ने निगम के विभिन्न कनेक्शनों पर ऑटो लॉक की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसका सीधा असर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

पंप हाउस बंद होने से दो दिन तिफरा क्षेत्र में प्रभावित रही जलापूर्ति

गत दिवस तिफरा क्षेत्र के पांच पंप हाउस का बिजली कनेक्शन ऑटो लॉक किए जाने के बाद क्षेत्र में पानी की टंकियां भरने और घरों तक जलापूर्ति की व्यवस्था प्रभावित हुई। इसके चलते लोगों को दो दिनों तक पानी की समस्या का सामना करना पड़ा। सोमवार दोपहर निगम द्वारा संबंधित कनेक्शनों में बदलाव किए जाने के बाद स्थिति सामान्य होने की उम्मीद बनी।

1500 कनेक्शनों पर कार्रवाई का खतरा

नगर निगम के करीब 1500 बिजली कनेक्शन बकाया राशि की जद में हैं। इनमें स्ट्रीट लाइट, पंप हाउस और निगम की अन्य सुविधाओं से जुड़े कनेक्शन शामिल हैं। बिजली बिल का भुगतान नहीं होने की स्थिति में सिस्टम के जरिए कनेक्शन ऑटो लॉक किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक-एक कर कनेक्शन लॉक किए जाने से कार्रवाई का असर केवल निगम कार्यालय तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर की जरूरी सुविधाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। खासकर पंप हाउस के कनेक्शन बंद होने से पेयजल आपूर्ति पर सीधा असर पड़ने की आशंका है।

स्ट्रीट लाइट के बाद पंप हाउस भी कार्रवाई की जद में

बकाया बिजली बिल को लेकर पहले निगम की स्ट्रीट लाइट के कनेक्शन काटे जाने की कार्रवाई सामने आई थी। अब पंप हाउस के कनेक्शन ऑटो लॉक होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। पंप हाउस बंद रहने की स्थिति में पानी की टंकियां नहीं भर पाएंगी और घरों तक नियमित जलापूर्ति बाधित हो सकती है।

निगम का बिल अटका तो जनता की सप्लाई अटकेगी

नगर निगम के बिजली बिल के भुगतान में देरी का असर अंततः आम नागरिकों पर पड़ने की आशंका है। बिजली कनेक्शन बंद होने से पंप हाउस प्रभावित होंगे और इसका सीधा असर पेयजल व्यवस्था पर पड़ेगा।

वहीं स्ट्रीट लाइट के कनेक्शन प्रभावित होने पर शहर की सड़कों पर अंधेरा छाने की स्थिति भी बन सकती है। ऐसे में करीब 310 करोड़ रुपए के बकाया बिजली बिल का मामला अब केवल निगम और बिजली कंपनी के बीच वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर शहर की मूलभूत सुविधाओं पर पड़ने लगा है। निगम के सामने बकाया राशि के भुगतान और आवश्यक सेवाओं से जुड़े कनेक्शनों को सुरक्षित रखने की बड़ी चुनौती है।

सरकंडा में बन रहा नया घाट, अब छठ के साथ भोजली और गणेश प्रतिमाओं का भी हो सकेगा विसर्जन

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। अरपा नदी के तट पर धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और घाट तक पहुंचने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए सरकंडा क्षेत्र में एक नए घाट का निर्माण किया जा रहा है। इस घाट के तैयार होने के बाद छठ पूजा के साथ ही भोजली विसर्जन, गणेश प्रतिमा विसर्जन सहित अन्य धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए भी लोगों को सुविधा मिल सकेगी।

अरपा नदी के तट पर हर वर्ष छठ पूजा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

नई स्मार्ट सड़क के निर्माण से बंद हो रहे रास्ते के बीच तैयार किया जा रहा वैकल्पिक घाट, श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा वर्तमान में शहर में चल रहे स्मार्ट सड़क निर्माण कार्य के कारण नदी तट तक पहुंचने वाले कुछ रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में नए घाट का निर्माण श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ज्ञात हो अरपापार क्षेत्र में तेजी से नदी किनारे की ओर नई स्मार्ट सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसी के साथ नदी तट पर नया घाट विकसित किया जा रहा है, ताकि धार्मिक आयोजनों के दौरान लोगों को सुगम आवागमन और सुरक्षित स्थान मिल सके। नगर विधायक अमर अग्रवाल द्वारा भी अरपा पार क्षेत्र के लोगों की मांग पर घाट निर्माण की आवश्यकता को लेकर पहल की गई थी।

दोनों ओर से होगी घाट तक पहुंच

निर्माणाधीन घाट को इस तरह विकसित किया जा रहा है कि दोनों तरफ से श्रद्धालु वहां पहुंच सकें। सड़क से नदी तट तक जाने के लिए करीब 35 चौड़ी सीढ़ियां बनाई जा रही हैं। नगर निगम के इंजीनियर विकास पात्रे के अनुसार घाट की लंबाई-चौड़ाई को सुविधाजनक रखते हुए इसे लगभग 10 मीटर चौड़ा और 12 मीटर गहरा बनाया जा रहा है। घाट तक पहुंचने के लिए करीब 400 एमएम की सीढ़ियां तैयार की जा रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को नदी तट तक आने-जाने में आसानी होगी। यहां छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था भी की जाएगी।

धार्मिक आयोजनों को मिलेगा नया स्थान

नया घाट बनने से छठ पूजा के अलावा भोजली विसर्जन, गणेश प्रतिमा विसर्जन तथा अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के लिए नदी तट पर एक अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होगा। इससे मौजूदा घाटों पर होने वाली भीड़ को कम करने में भी मदद मिल सकती है।गौरतलब है कि कुछ समय पहले करीब 100 वर्ष पुराने 'पर्व -घाट' की पुनर्स्थापना का कार्य भी किया गया था।

किरण सिंह देव के जन्मदिन पर 17 को होगा महाभंडारा

जगदलपुर। बड़ा ही सुखद संयोग है कि जिस 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है, उसी 17 सितंबर को जगदलपुर के विधायक एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष किरण सिंह देव का भी जन्मदिन है। दुर्भाग्यवश श्री देव एक सड़क दुर्घटना में घायल होकर अभी दिल्ली में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं और जल्द ही श्री देव प्रदेशवासियों की सेवा में उपलब्ध होंगे। किरण सिंह देव के जन्मदिवस पर शहर के संजय मार्केट में एक महा भंडारा का आयोजन किया जा रहा है

सभी से निवेदन किया गया है कि वे इस महा भंडारा में शामिल होकर लाभ उठाएं और श्री देव के जल्द से जल्द स्वस्थ लाभ की कामना करें।. भंडारा 17 सितंबर को दोपहर 1.30 बजे से संजय मार्केट स्थित कामता स्वीट्स के सामने आरंभ होगा।

ई-साक्ष्य प्रशिक्षण कार्यशाला में एएसपी डॉ. हरीश यादव हुए शामिल

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा आयोजित ई-साक्ष्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा श्री भूषण एक्का सहित जिले के थाना-चौकी प्रभारी, प्रशिक्षु उप निरीक्षक एवं विवेचकगण शामिल हुए।

पुलिस कार्यालय बेमेतरा के सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला

में पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा ई-साक्ष्य के उपयोग एवं प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान ई-साक्ष्य से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यशाला मेंनिरीक्षक कृष्ण कांत सिंह, सोनल ग्वाला, मयंक मिश्रा, चंद्रदेव वर्मा, दुलेश्वर चंद्रवंशी, सत्य प्रकाश उपाध्याय, लेखराम ठाकुर, जनक साहू, सुरेन्द्र मानिकपुरी, उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव, योगेश अग्रवाल, राजकुमार साहू, अलील चंद, असीम किर्तनिया, डी.एल. सोना, सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार क्षत्री, रघुवीर सिंह, प्रशिक्षु उप निरीक्षक गीतांजली, सुरेश चौहान, सतवन सिंह, इश्वरी कुमारी डुप्ले, चंचल पांडेय, कल्पना महंत, विजयेन्द्र कुमार, सुरज प्रकाश, निधि गुप्ता, सुरेन्द्र कुमार तथा आरक्षक मनीष देवांगन सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्लॉक संयुक्त छात्रावास दिवस समारोह पदाधिकारी चयन का समापन

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। नवीन पी.एम.टी. छात्रावास अन्तागढ़ में दिनांक 13 सितंबर 2026, दिन रविवार को नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही आगामी ब्लॉक संयुक्त छात्रावास दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु संयुक्त पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया भी सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल संयोजक आदरणीय श्री सहदेव सोनवानी सर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में शहीद राजेश पवार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अन्तागढ़ के आदरणीय श्री चंद्र कुमार ध्रुव सर, वर्तमान अधीक्षक श्री चंद्रिका प्रसाद ठाकुर सर एवं भूतपूर्व अधीक्षक श्री शिवभानु सिंह टेकाम सर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पी.एम.टी. छात्रावास कांकेर एवं पी.एम.टी. छात्रावास नारायणपुर के

सीनियर साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वरिष्ठ सीनियरों में किशन नाग , संतलाल दुग्गा , राजेश तेता , गणेश दुग्गा , रामेश नेताम , राजेंद्र गावड़े , रतुराम कावड़े , सनकु नुरुटी , मानसिंह बुई एवं अनिल कुमार कोला उपस्थित रहे। स्थानीय पदाधिकारियों में स्थानीय अध्यक्ष प्रमोद हिड़को , उपाध्यक्ष अरविंद ध्रुव , सचिव धनराज उयके , सहसचिव मन्नू आचला , संचालक महेर सिंह दुग्गा एवं मयंक कोला सहित संयुक्त पदाधिकारी संयुक्त अध्यक्ष श्रीमान कृष्णा दुग्गा , उपाध्यक्ष कुमारी साधना नाग, संयुक्त महासचिव राकेश सलाम एवं सहसचिव कुमारी संतोषी हुर्रा की उपस्थिति रही।

चक्रधर समारोह 2026 में बिलासपुर की बेटी कु. दुन्ना धरणी देंगी कुचिपुड़ी नृत्य की प्रस्तुति

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग एवं पर्यटन मंडल तथा जनसहयोग से जिला प्रशासन रायगढ़ द्वारा आयोजित प्रदेश के प्रतिष्ठित 'चक्रधर समारोह 2026' का 41वां वर्ष आयोजन 14 सितंबर से 23 सितंबर 2026 तक रायगढ़ में किया जा रहा है।

इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक समारोह में 18 सितंबर 2026 को शाम 6:00 बजे बिलासपुर की श्वेता नायक एंड ग्रुप द्वारा कुचिपुड़ी नृत्य की विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इस नृत्य दल में आंध्रा समाज, बिलासपुर की होनहार बेटी कु. दुन्ना धरणी, पिता श्री दुन्ना नारायण प्रसाद, निवासी गणेश नगर, अन्नपूर्णा कॉलोनी, बिलासपुर भी अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। कु. दुन्ना धरणी को चक्रधर समारोह जैसे प्रतिष्ठित एवं गौरवशाली सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुति देने का

अवसर मिलना बिलासपुर तथा पूरे तेलुगु समाज के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। देश-प्रदेश के अनेक प्रतिष्ठित कलाकार इस समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे महत्वपूर्ण मंच पर बिलासपुर की बेटी का चयन होना उसकी कला, प्रतिभा एवं मेहनत की सराहना का प्रतीक है। आंध्रा समाज, बिलासपुर ने कु. दुन्ना धरणी को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। समाज ने विश्वास व्यक्त किया कि धरणी अपनी शानदार प्रस्तुति से बिलासपुर और तेलुगु समाज का नाम रोशन करेंगी तथा भविष्य में कला के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगी।

आंध्रा समाज, बिलासपुर की ओर से कु. दुन्ना धरणी की उज्ज्वल भविष्य एवं सफल प्रस्तुति के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

शुभकामनाएं देने वालों में:

आंध्रा समाज, बिलासपुर के अध्यक्ष एन. रमना मूर्ति, सचिव पी. श्रीनिवास राव, कोषाध्यक्ष टी. रमेश बाबू, उपाध्यक्ष डी. एन. प्रसाद, सह सचिव ए. सत्यनारायण, एस. वी. रमना, शिवाजी, आर. मनोरथ बाबू, जी. रमेश चंद्रा, आर. प्रसाद राव, जी. एस. पटनायक, एम. रमेश एवं सामाजिक कार्यकर्ता यु मुरली राव आदि शामिल हैं।

'आप' ने जन समस्याओं पर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। शहर, क्षेत्र तथा जिले की अनेक समस्याओं को लेकर आज आम आदमी पार्टी ने काँकेर के कलेक्टर को ज्ञापन प्रदान किया है। दल का नेतृत्व आम आदमी पार्टी की महिला नेता संगीता डोंगरे तथा जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकुर ने किया। इनके साथ जिला, ब्लॉक एवं विधानसभा क्षेत्र के समस्त पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता भी मौजूद थे । मांग पत्र 7 सूत्री था। जिस पर कलेक्टर से मौखिक वार्तालाप भी किया गया। आम जनता की समस्त परेशानियों एवं समस्याओं से कलेक्टर को अवगत किया गया, जिसमें पार्टी की महिला कार्य कर्ता भी अच्छी संख्या में शामिल हुई। कलेक्टर ने ध्यानपूर्वक सब की बातें सुनी एवं ज्ञापन का भी अवलोकन किया।

तत्पश्चात पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकुर की ओर से सभी महिला कार्यकर्ताओं एवं जिले के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला संगठन मंत्री, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष, सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया । उल्लेखनीय है कि काँकेर जिले की आम आदमी पार्टी समय-समय पर समाचार पत्रों तथा प्रशासन के माध्यम से जन समस्याओं को उठाती रहती है।

विश्वकर्मा जयंती पर छुरा में सजेगा भव्य मंच, गूंजेगा लोक संगीत का सुर

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर आदर्श वाहन चालक संघ छुरा द्वारा इस वर्ष भी विश्वकर्मा जयंती को धूमधाम और भव्यता के साथ मनाने की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आगामी 17 सितंबर 2026, गुरुवार को छुरा के बस स्टैंड परिसर में दिनभर धार्मिक आयोजन और रात में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर संघ के सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

सुबह होगी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापना

विश्वकर्मा जयंती के दिन गुरुवार की सुबह बस स्टैंड परिसर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा विधिवत स्थापित की जाएगी। इसके बाद विशेष पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। वाहन चालक संघ से जुड़े सदस्यों के साथ नगरवासी भी इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर भगवान विश्वकर्मा से सुख-समृद्धि और सुरक्षित जीवन की कामना करेंगे।

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्प, तकनीक और कर्म के देवता के रूप में पूजा जाता है।

यही वजह है कि वाहन चालकों सहित विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए विश्वकर्मा जयंती का विशेष महत्व है।

रात 9 बजे गूंजेगा लोक संगीत का रंग

दिनभर धार्मिक माहौल के बाद गुरुवार की रात छुरा बस स्टैंड में रात 9 बजे से भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में रायपुर की प्रसिद्ध 'लोक झांझर' टीम द्वारा 'ब्लैक डायमंड नाइट' की प्रस्तुति दी जाएगी।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की शानदार प्रस्तुतियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेंगी। मंच पर कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ छत्तीसगढ़ की लोककला और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

जाति सेवा सहकारी समिति छुरा की वार्षिक आमसभा का समापन

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति छुरा की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। उपस्थित अतिथियों का आयोजकों द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुभाष चंद्राकर, रमेश शर्मा, विशेषर दीवान, इतवारी राम, रामजी दीवान, चमन लाल साहू एवं अवधेश प्रधान अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस अवसर पर यशवंत यादव द्वारा समिति की वार्षिक आमसभा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा समिति की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रमेश शर्मा ने कहा कि यह किसानों की समिति है और

किसानों के योगदान से ही समिति का संचालन एवं विकास संभव है। उन्होंने किसानों को अन्नदाता बताते हुए कहा कि इस वर्ष समिति को 17 लाख रुपये से अधिक का लाभ प्राप्त हुआ है, जो समिति की बेहतर कार्यप्रणाली और किसानों के सहयोग का परिणाम है। विशेषर दीवान ने भी समिति की उपलब्धि पर किसानों एवं समिति के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि सभी को इसी प्रकार संगठित होकर आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने किसानों की एकजुटता को समिति की मजबूती का आधार बताया। आमसभा के दौरान समिति से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया। मनोहर लाल सिन्हा, जो विक्रेता के पद पर कार्यरत रहे, तथा छबिराम सिन्हा का समिति की ओर से श्रीफल एवं शाल भेंट कर सम्मान किया गया। अतिथियों एवं समिति के पदाधिकारियों ने उनके सेवाकाल के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी शीतल ध्रुव ने किया जबकि रामकरण त्रिवेदी ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भोजराम साहू, चंद्रकुमार, शीतल ध्रुव, नूतन, बुढ़ान ध्रुव, आदूराम, राजकुमार, समारु यादव, राजू साहू, रामलाल, जयराम, धीर सिंह, भुवनेश्वर, तुलसराम, मानिक राम, ओमप्रकाश, अख्तर, मेहतर एवं अनवर सहित समिति के सदस्य, किसान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेंसेक्स में 333 अंक चढ़ा, निफ्टी आईटी पर दबाव: बाजार में मिला-जुला रूख

विश्व केसरी

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के फैसले से पहले तेल की कीमतों में नरमी आने से बुधवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार पिछले दो दिनों की गिरावट से उबरकर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच, एफएमसीजी, रियल्टी और पीएसयू बैंक के शेयरों के समर्थन से प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स में 0.45 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली।

सेंसेक्स 332.63 अंकों यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,336.45 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 99 अंक यानी 0.43 प्रतिशत बढ़कर 23,217.60 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 0.01 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया, जिनमें क्रमश: 1.63 प्रतिशत, 1.44 प्रतिशत और

0.99 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में, टीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एलएंडटी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली, तो वहीं एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ, एसबीआई और आईटीसी के शेयर आज के टॉप गेनर्स रहे। निफ्टी के टेक्निकल आउटलुक पर बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि ऊपर की ओर 23,300 से 23,400 का दायरा अभी भी रिकवरी के लिए बाधा बना हुआ है। व्यापक तकनीकी स्थिति में सुधार के लिए निफ्टी का 23,500 के ऊपर टिकना जरूरी होगा। उन्होंने आगे कहा कि नीचे की ओर 23,100 से 23,070 का क्षेत्र तत्काल समर्थन का काम कर रहा है। यदि निफ्टी 23,070 के नीचे निर्णायक रूप से फिसलता है तो बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और सूचकांक 23,000 से 22,800 के दायरे तक जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार की नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के नतीजों पर टिकी हुई है। निवेशक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आगे ब्याज दरों को लेकर केंद्रीय बैंक का रुख कैसा रहेगा।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, यदि फेड की टिप्पणी संतुलित रहती है तो बाजार में आगे रिकवरी देखने को मिल सकती है। लेकिन यदि केंद्रीय बैंक सख्त रुख अपनाता है, बॉन्ड यील्ड में फिर से तेजी आती है या ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचता है, तो बाजार में दोबारा बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और रिकवरी सीमित हो सकती है। विश्लेषकों ने कहा कि अब निवेशकों की नजर फेड चेयरमैन की टिप्पणियों पर है।

सोने और चांदी का दाम करीब 1.5 प्रतिशत तक बढ़ा, निवेशकों को फेड के फैसले का इंतजार

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को तेजी देखने को मिली और दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1.5 प्रतिशत तक बढ़ गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,50,809 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,291 रुपए या 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,52,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

दोपहर 12 बजे यह 953 रुपए या 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,51,762 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,51,450 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,52,100 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है, यह दिखाता है कि खुलने के बाद सोना सीमित दायरे में बना हुआ है। सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिल रही है।

चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,32,118 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 3,667 रुपए या 1.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,35,785 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 3,250 रुपए या 1.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,35,988 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,34,540 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,35,988 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर बनाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,366 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65 डॉलर प्रति औंस पर थी।

ब्याज दरों पर दो दिवसीय अमेरिकी फेड बैठक के फैसलों का ऐलान आज देर शाम किया जाएगा। यह ऐसे समय पर आ रहा है, जब मध्य पूर्व में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमत करीब चार महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है और यूएस बॉन्ड यील्ड भी 5 प्रतिशत के ऊपर जा चुकी है। इस कारण इस फैसले पर निवेशक करीब से निगाह रख रहे हैं।

अमेरिका की लैम रिसर्च भारत में सिलिकॉन कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के लिए करेगी 10,000 करोड़ का निवेश

विश्व केसरी

बेंगलुरु। अमेरिका की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग उपकरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लैम रिसर्च कॉरपोरेशन ने बुधवार को घोषणा की कि वह अगले कई वर्षों में भारत में लगभग 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी देश में अपनी पहली सिलिकॉन कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करने के साथ-साथ अपने एडवांस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) ऑपरेशंस का विस्तार करेगी।

यह घोषणा सेमीकॉन इंडिया 2026 से पहले की गई है और भारत में लैम रिसर्च के दीर्घकालिक विस्तार के अगले चरण को दर्शाती है। कंपनी पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से भारत में मौजूद है। प्रस्तावित निवेश का उद्देश्य भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करना और अपने वैश्विक ग्राहकों को सहयोग देना है, क्योंकि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में तेजी से जटिल होती सेमीकंडक्टर तकनीकों की मांग बढ़ रही है।

प्रस्तावित मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी उन्नत सेमीकंडक्टर तकनीकों और अत्याधुनिक नोड्स के लिए सिलिकॉन इनगट के उत्पादन और प्रोसेसिंग सहित एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड प्रक्रिया को सपोर्ट करेगी। मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ लैम रिसर्च अपने 'इंडिया सेंटर ऑफ इंजीनियरिंग' के जरिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट क्षमताओं को भी बढ़ाने की योजना बना रही है। यह केंद्र फिलहाल डिजाइन, टेस्टिंग, वैलिडेशन और अगली पीढ़ी की तकनीक के विकास सहित कई क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों के कार्यक्रमों को सपोर्ट करता है।

लैम रिसर्च इंडिया के कॉरपोरेट वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर रंगेश राघवन ने कहा, 'भारत लैम की वैश्विक इनोवेशन और ग्रोथ स्ट्रैटेजी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।' उन्होंने कहा कि कंपनी का लगातार विस्तार भारत की प्रतिभा, तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और सहयोगी नीतिगत माहौल में उसके भरोसे को दर्शाता है।

राघवन ने कहा कि लैम रिसर्च सरकार, शिक्षा जगत, सप्लायर्स, स्टार्टअप्स और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि ऐसी सेमीकंडक्टर इनोवेशन को गति दी जा सके, जिससे वैश्विक उद्योग को लाभ हो। इस निवेश से भारतीय सप्लायर्स के साथ साझेदारी के नए अवसर भी पैदा होने की उम्मीद है। लैम रिसर्च वर्तमान में स्थानीय कंपनियों के साथ काम करती है, जो सेमीकंडक्टर उत्पादन के लिए जरूरी विशेष सामग्री, सटीक कंपोनेंट्स, गैस, केमिकल्स, मेट्रोलॉजी सॉल्यूशंस और मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज की आपूर्ति करती हैं।

एमडीआर से यूपीआई इकोसिस्टम को सस्टेनेबल बनाने और तेजी से बढ़ाने में मिलेगी मदद : फिनटेक लीडर्स

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के आने से यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) इकोसिस्टम को सस्टेनेबल बनाने और तेजी से आगे बढ़ाकर एक अरब लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह बयान फिनटेक लीडर्स ने बुधवार को दिया।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में मोबिक्विक की सह-संस्थापक, कार्यकारी निदेशक और सीएफओ उपासना टाकू ने कहा कि देश में यूपीआई को एक दशक से ज्यादा का समय हो चुका है। इसने भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी बदलने का काम किया है। इसके जरिए वित्तीय उत्पादों को लोगों तक पहुंचाने में मदद मिली है, लेकिन इस दूसरा पहलू यह है कि इसका आर्थिक बोझ वित्तीय कंपनियों और बैंकों को उठाना पड़ा रहा है, क्योंकि यूपीआई से आय शून्य है और यह पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा

बन गया है।

उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा समय में करीब 50-60 करोड़ लोग ही यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और अगर हमें इसे अगले एक दशक में एक अरब लोगों तक पहुंचाना है तो इससे कुछ स्थिर आय होना जरूरी है।

टाकू ने आगे बताया कि मौजूदा समय में एक यूपीआई लेनदेन की सर्वर लागत 17-20 पैसे के करीब है। इसके अलावा हमें यूपीआई प्लेटफॉर्म चलाने के लिए बड़ी इंजीनियरिंग टीम, रिस्क मैनेजमेंट और साइबर सुरक्षा की आवश्यकता होती है और इसके लिए बड़ा निवेश करना पड़ता है। सरकार की ओर से जो यूपीआई चलाने के लिए सब्सिडी दी जा रही थी, वह कुल लागत का 10 प्रतिशत थी। यूपीआई एमडीआर आने से सिस्टम को सस्टेनेबल बनाने में मदद मिलेगी।

मोबिक्विक के सह-संस्थापक, एमडी एंड सीईओ बिपिन प्रीत सिंह ने कहा कि यूपीआई इकोसिस्टम के कारण देश बीते एक दशक में दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट इकोसिस्टम बन पाया है। इसे बैंक और वित्तीय कंपनियों द्वारा चलाया जाता है। इसमें एक बड़ी लागत आती है। यूपीआई एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) लाने से इसकी स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। यह 2,000 रुपए से अधिक के लेनदेन पर लगेगा।

छोटे कारोबारियों और छोटे लेनदेन पर इसका कोई असर नहीं होगा।

यूपीआई यूजर्स पर नहीं लगेगा कोई शुल्क नया एमडीआर डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को करेगा मजबूत: फोनपे सीईओ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फोनपे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) समीर निगम ने बुधवार को कहा कि यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लागू किए गए नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) ढांचे के तहत ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाने के लिए यह कदम जरूरी है।

आईएएनएस को दिए एक साक्षात्कार में फोनपे के सीईओ समीर निगम ने स्पष्ट किया कि ग्राहक पहले की तरह ही बिना किसी शुल्क के यूपीआई का उपयोग करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि 1 लाख रुपए से कम वार्षिक कारोबार वाले छोटे व्यापारी भी एमडीआर व्यवस्था के दायरे से बाहर रहेंगे।

उन्होंने कहा, नहीं, यूपीआई ग्राहकों के लिए कोई शुल्क नहीं है। ग्राहकों से यूपीआई इस्तेमाल करने के लिए कभी शुल्क नहीं लिया गया और भविष्य में भी नहीं लिया जाएगा। समीर निगम ने बताया कि बड़े दुकानदारों के मामले में भी 96 प्रतिशत लेनदेन, जो 2,000 रुपए से कम राशि के होते हैं, किसी भी शुल्क के दायरे में नहीं आएंगे। उन्होंने बताया कि 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा और इसका भुगतान ग्राहक नहीं, बल्कि व्यापारी करेंगे। उन्होंने कहा कि एमडीआर से प्राप्त होने वाला राजस्व उन बैंकों और कंपनियों के निवेश को समर्थन देगा जो यूपीआई इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। समीर निगम ने आईएएनएस से कहा, 'यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर को चालू रखने के लिए उद्योग हर साल कम से कम 10,000 करोड़ रुपए से 12,000 करोड़ रुपए तक खर्च करता है।'

उन्होंने बताया कि केवल तकनीकी ढांचे पर ही नहीं, बल्कि केवाईसी, साइबर सुरक्षा, जोखिम और धोखाधड़ी नियंत्रण, मर्चेंट चार्जबैक और पूंजीगत निवेश पर भी उद्योग को भारी खर्च करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'हमें ऐसा तरीका चाहिए था जिससे यह राजस्व वापस उद्योग में आ सके और यूपीआई का विकास टिकाऊ तरीके से जारी रह सके।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या ग्राहकों को किसी अतिरिक्त शुल्क की चिंता करनी चाहिए।

मेटा भारत के साइबर अपराध पोर्टल आई4सी को बाल सुरक्षा से जुड़े मामले भेजेगी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा ने मंगलवार को घोषणा की कि वह बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा संचालित भारत के साइबर अपराध पोर्टल को देगी।

यह निर्णय इंस्टाग्राम पर विज्ञापनों के माध्यम से कथित तौर पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) के प्रसार और प्रचार को लेकर भारत में मेटा की कड़ी निगरानी के बीच आया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार ने कहा है कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा भारत में संचालित होने वाले प्रत्येक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए एक मूलभूत सिद्धांत है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। सूत्रों ने आगे कहा कि मेटा की यह प्रतिबद्धता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है। मेटा ने इस मुद्दे पर एक बयान में कहा कि उसके प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा उसकी प्राथमिकता है और वह ऐसे अपराधों के दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेटा के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस नुकसान से निपटने के हमारे सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के लिए, मेटा अब बाल सुरक्षा संबंधी मामलों की रिपोर्ट सीधे आई4सी द्वारा संचालित साइबर अपराध पोर्टल पर करेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बाल यौन शोषण और अन्य प्रकार के बाल शोषण को प्रसारित करने या उसकी पहुंच को आसान बनाने के लिए किया जा सकता है।

ऐसे मामलों की सूचना कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि ऐसी घटनाओं का निपटारा केवल प्लेटफॉर्म के आंतरिक सामग्री नियंत्रण प्रणालियों के माध्यम से ही न हो। सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि और भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है और हानिकारक सामग्री की पहचानने और उसे हटाने के लिए अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ बातचीत जारी है।

कैबिनेट का बड़ा फैसला, ईपीएफओ के वेतन की अधिकतम सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रति माह करने की मंजूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रति माह करने की मंजूरी दे दी है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सरकार के इस फैसले से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) का लाभ मिलने की उम्मीद है।

सरकार के अनुसार, यह निर्णय न केवल सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि

औपचारिक रोजगार को भी बढ़ावा देगा और कर्मचारियों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगा।

ईपीएफओ की वेतन सीमा वर्ष 2004 से 2014 तक 10 वर्षों तक अपरिवर्तित रही थी। इसके बाद सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपए किया गया था। अब लगभग 12 वर्षों बाद सरकार ने इसे बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का फैसला किया है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में देश में वेतन स्तर, आय और औपचारिक रोजगार में लगातार वृद्धि हुई है। कई राज्यों में न्यूनतम मजदूरी भी मौजूदा सीमा के करीब पहुंच चुकी है। ऐसे में ईपीएफओ ढांचे को मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप बनाना आवश्यक हो गया था। अभी तक यदि कोई नया कर्मचारी 15,000 रुपए से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करता था, तो वह स्वत: ईपीएफ ढांचे के अंतर्गत नहीं आता था। इसके कारण बड़ी संख्या में कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन और बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं से वंचित रह जाते थे।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद 15,000 रुपए से 25,000 रुपए मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों का बड़ा वर्ग भी अनिवार्य रूप से ईपीएफओ के दायरे में आएगा। इससे लाखों कर्मचारियों को संगठित सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का लाभ मिलेगा।

आईसीसी रैंकिंगः अभिषेक को मिला अफगानिस्तान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम, ईशान किशन की बादशाहत बरकरार

विश्व केसरी ■

दुबई। आईसीसी की ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अभिषेक शर्मा को जबरदस्त फायदा पहुंचा है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो टी20 में दमदार प्रदर्शन करने के साथ अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर आ गए हैं।

वहीं, ईशान किशन दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में भारत 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुका है। सीरीज के पहले टी20 में 82 और दूसरे मुकाबले में 39 रनों की दमदार पारी खेलने के साथ ही अभिषेक ने एक स्थान ऊपर की छलांग लगाई हैं और उन्होंने साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक और ईशान किशन के बीच अब 51 रेटिंग प्वाइंट्स का फासला है। दूसरे टी20 में तूफानी अर्धशतकीय पारी खेलने का फायदा संजू सैमसन को भी मिला है। सैमसन चार पायदान ऊपर चढ़कर अब 30वें नंबर पर आ गए हैं।

भारत के गेंदबाजों ने भी आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में अच्छी बढ़त हासिल की है। वरुण चक्रवर्ती दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर पहुंच गए, जबकि जसप्रीत बुमराह सात स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर आ गए। अर्शदीप सिंह 11 स्थान की छलांग लगाकर 14वें नंबर पर पहुंच गए और मेजबान टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अक्षर पटेल छह स्थान ऊपर चढ़कर 27वें नंबर पर आ गए।

अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई भी सीरीज के पहले मैच में नाबाद अर्धशतक लगाने के बाद टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर रैंकिंग में ऊपर चढ़े हैं। हरारे में सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे पर 59 रन से जीत के बाद तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने वनडे रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर की है।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस पांच विकेट लेने के बाद वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 20 स्थान ऊपर चढ़कर 20वें नंबर पर पहुंच गए। 109 रन बनाकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए मैथ्यू रेनशॉ बल्लेबाजों की रैंकिंग में 68वें नंबर पर पहुंच गए हैं।कूपर कोनोली भी जिम्बाब्वे के खिलाफ नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 51 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान ऊपर चढ़कर 77वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। वह पाकिस्तान के खिलाफ हालिया तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 21 विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। रॉबिन्सन के साथी खिलाड़ी जोश टंग ने भी सीरीज में 19 विकेट लेने के बाद दो पायदान की छलांग लगाई है और वह 11वें नंबर पर आ गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। बर्मिंघम में खेले गए तीसरे टेस्ट में रॉबिन्सन की अर्धशतकीय पारी ने उन्हें टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में सात पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है।

पाकिस्तान के सीरीज में 0-3 से हारने के बावजूद, कप्तान बाबर आजम टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि शान मसूद सीरीज के आखिरी मैच में शानदार बल्लेबाजी के दम पर चार पायदान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर आ गए हैं।

'वापसी को लेकर उत्साहित हूं', 11 साल बाद चाइना ओपन में हिस्सा लेंगे जोकोविच

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पुष्टि की है कि वह चाइना ओपन खेलने के लिए बीजिंग लौटेंगे। यह एटीपी 500 टूर्नामेंट में उनकी 11 साल बाद पहली वापसी होगी।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर इस बात की घोषणा की। उन्होंने चीनी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में संदेश साझा करते हुए उस शहर में लौटने पर अपना उत्साह व्यक्त किया, जहां उन्हें अपने करियर की शुरुआत में शानदार सफलता मिली थी।जोकोविच ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं कई वर्षों के बाद चाइना ओपन खेलने के लिए बीजिंग लौट रहा हूं। मैं वापस आने और आप सभी के सामने नेशनल टेनिस सेंटर में खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह टेनिस के सबसे अच्छे वेन्यू में से एक है, एक ऐसी जगह जहां मेरे करियर की अविश्वसनीय यादें और बड़ी सफलताएं जुड़ी हैं। मैं सभी चीनी प्रशंसकों को उनके वर्षों के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।'

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने आखिरी बार 2015 में चाइना ओपन खेला था। इससे पहले वह 2009 से 2015 के बीच छह बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुके थे। अब 39 साल के जोकोविच एक बार फिर बीजिंग लौटने जा रहे हैं। हालांकि, उनका हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, क्योंकि यूएस ओपन 2026 में उन्हें पहले ही दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नवोन के खिलाफ चौंकाने वाली हार झेलनी पड़ी थी।

नवोन ने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में चार घंटे 36 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच को 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया था। 2006 के बाद से ग्रैंड स्लैम में जोकोविच की यह पहली शुरुआती दौर की हार थी। जोकोविच ने नवोन के खिलाफ मजबूत शुरुआत की थी, लेकिन मैच आगे बढ़ने के साथ उन्हें शारीरिक रूप से संघर्ष करना पड़ा, खासकर आखिरी दो सेटों में।

हार के बाद, जोकोविच ने कोर्ट पर अपने अनुभव को बहुत बुरा एहसास बताया था और खुलासा किया था कि वह इस सीजन में मैचों के दौरान शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे थे। एटीपी के अनुसार, हार के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह क्लियर था कि कोर्ट पर मुझे बहुत बुरा महसूस हो रहा था। दुर्भाग्य से, इस साल लगभग हर मैच में मुझे इस समस्या का सामना करना पड़ा है। उल्टी होना - यह एक गंभीर समस्या है।

आशिमा अहलावतः 12वीं में 98.6 प्रतिशत अंक से 'एशियन गेम्स 2026' तक का सफर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रोहतक की आशिमा अहलावत का एशियन गेम्स तक का सफर घर में हुई एक शर्त से शुरू हुआ था। शर्त यह थी कि पहले पढ़ाई में उम्दा प्रदर्शन करना होगा, तभी उन्हें निशानेबाजी को गंभीरता से अपनाने की आजादी मिलेगी। 18 साल की उम्र में आशिमा ने यह वादा पूरा करते हुए 12वीं बोर्ड परीक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक हासिल किए। अब, चार साल बाद, 22 वर्षीय निशानेबाज आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में डेब्यू के लिए तैयार हैं।

आशिमा अहलावत कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में भारत के प्रदर्शन से प्रेरित हुईं। शुरू में उन्होंने पिस्टल शूटिंग चुनी, लेकिन बाद में शॉटगन इवेंट्स की ओर रुख किया।

आशिमा अहलावत ने उस पल को याद करते हुए कहा, उस मंच पर मनु भाकर और हीना सिद्धू को देखकर, मुझे याद है कि मैंने सोचा था - मैं भी कभी वैसा ही महसूस करना चाहती हूं।

कंस्ट्रक्शन के काम से जुड़े एक बिजनेस परिवार से आने वालीं आशिमा अहलावत के शूटिंग करने के फैसले के लिए उनकी मां को भी काफी त्याग करना पड़ा; जिन्होंने बेटी की ट्रेनिंग में मदद करने के लिए रोहतक से दिल्ली तक का सफर तय किया।

आशिमा ने बताया, मां ने मुझे सिर्फ इजाजत ही नहीं दी, बल्कि इसके लिए बहुत कुछ त्याग भी किया।

छत्तीसगढ़ ने बड़ौदा को 7 विकेट से हराया, अनुज तिवारी और विकल्प तिवारी ने दिलाई शानदार जीत

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु । डॉ. के. थिम्मापैया मेमोरियल आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट 2026-27 में छत्तीसगढ़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ौदा को 7 विकेट से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। सीएमआर यूनिवर्सिटी स्टेडियम, बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में बड़ौदा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बड़ौदा ने पहली पारी में 83 ओवर में 10 विकेट खोकर 286 रन बनाए। टीम की ओर से मितेश पटेल ने 68 रन तथा मनन सोलंकी ने नाबाद 47 रन बनाए। इसके अलावा अक्षय मोरे ने 34 रन का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से संदीप वारियर और वरुण सिंह भुई ने 4-4 विकेट हासिल किए।

जवाब में छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में 104.2 ओवर में 10 विकेट पर 348 रन बनाए और बड़ौदा पर 62 रन की बढ़त हासिल की। छत्तीसगढ़ की ओर से अमनदीप खरे ने 77 रन और अनुज तिवारी ने 73 रन की शानदार पारियां खेलीं। पहले विकेट के लिए अनुज तिवारी (73) और संगीत सोनी (57) के बीच 109 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा राहुल प्रधान ने 66 रन बनाए। बड़ौदा की ओर से परिक्षित पाटीदार और भागर्व भट्ट ने 4-4 विकेट लिए।

दूसरी पारी में बड़ौदा ने 79 ओवर में 8 विकेट खोकर 290 रन बनाए। बड़ौदा की ओर से हर्ष देसाई ने 68 रन और मनन सोलंकी ने 64 रन बनाए। वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से वरुण सिंह भुई ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट झटके।

बड़ौदा ने छत्तीसगढ़ के सामने जीत के लिए 228 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 58.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 232 रन बनाते हुए मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से अनुज तिवारी और विकल्प तिवारी ने 70-70 रन की शानदार पारियां खेलीं। इनके अलावा राहुल प्रधान ने 52 रन का योगदान दिया।

इस तरह छत्तीसगढ़ ने बड़ौदा को 7 विकेट से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। टीम की जीत में वरुण सिंह भुई की 6 विकेट की शानदार गेंदबाजी और दूसरी पारी में अनुज तिवारी-विकल्प तिवारी की अर्धशतकीय पारियों की अहम भूमिका रही।

सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली हाथ मैराथन 2026 के 'फिनिशर मेडल' का किया अनावरण

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में 'वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस' - दिल्ली हाफ मैराथन के 21वें संस्करण के लिए खास 'फिनिशर मेडल' का अनावरण किया।

दिल्ली हाफ मैराथन की शुरुआत रविवार को मशहूर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से होगी, जिसमें भारत और दुनिया भर से हजारों धावक राजधानी की सड़कों पर मेडल हासिल करने के लिए दौड़ते नजर आएंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन, जो स्वास्थ्य, फिटनेस, महिलाओं की ज्यादा भागीदारी और व्यापक सामाजिक-आर्थिक व चैरिटेबल असर पर केंद्रित है, राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक अहम पहल बन गई है। प्रतिभागियों का उत्साह और खुशी वाकई प्रेरणादायक है, और दिल्ली सरकार इस आयोजन को और भी सफल बनाने के लिए इसके साथ खड़ी है।

दुनिया की सबसे पुरानी जिंक माइनिंग साइट्स में से एक उदयपुर की मशहूर जावर माइन्स से मिली हाई-क्वालिटी जिंक से बना और वेदांता ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया यह मेडल, रेस के दिन की यादगार निशानी से कहीं ज्यादा अहमियत रखता है। दिल्ली सरकार के श्रम, रोजगार और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, 'वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन दिल्ली के लिए एक सालाना इवेंट बन गई है, जो देश और दुनिया भर के लोगों को एक साथ लाती है। दिल्ली सरकार और दिल्ली पर्यटन ऐसे स्पोर्ट्स इवेंट्स को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, जो पर्यटन गंतव्य के तौर पर दिल्ली की स्थिति को मजबूत करते हैं। हम 18 अक्टूबर के इस इवेंट को शानदार ढंग से सफल बनाने के लिए उत्सुक हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन की एक प्यारी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, 2026 का फिनिशर मेडल भारत की समृद्ध प्राकृतिक विरासत और हर धावक की बेहद निजी यात्रा को एक साथ लाता है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन और वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, 'भारत की समृद्ध औद्योगिक विरासत से जुड़ा यह मेडल ताकत, लचीलेपन और सहनशक्ति का एक मजबूत प्रतीक है।

टी20 सीरीजः ब्रूक का शतक, बटलर चूके, इंग्लैंड ने पहले मैच में श्रीलंका को 119 रन से हराया

विश्व केसरी ■

वेस्ट एंड। इंग्लैंड ने 3 टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका को 119 रन के बड़े अंतर से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। इंग्लैंड की जीत में कप्तान हैरी ब्रूक के शतक और जोस बटलर की विस्फोटक 80 रन की पारी का अहम योगदान रहा।

यूटिलिटा बाउल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था।

श्रीलंका का यह फैसला बिल्कुल गलत साबित हुआ। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 20 ओवर में 4 विकेट पर 254 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

इंग्लैंड के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे पूर्व कप्तान जोस बटलर ने 44 गेंदों पर 3 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 80 रनों की विस्फोटक पारी खेली। बटलर के पास अपना शतक पूरा करने का पर्याप्त मौका था, लेकिन वे चूक गए।

बटलर अपने शतक का मौका जरूर चूक गए, लेकिन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे कप्तान हैरी ब्रूक ने टी20 करियर का अपना दूसरा शतक पूरा किया। ब्रूक ने मात्र 49 गेंदों पर 6 छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 114 रन की पारी खेली। ब्रूक ने अपना अर्धशतक 20 और शतक 42 गेंदों पर पूरा किया।

इसके अलावा, एन्यूरिन डोनाल्ड ने 5 गेंदों पर 12, टॉम बॉन्टन ने 10 गेंदों पर 10 और विल जैक्स ने 12 गेंदों पर 21 रन बनाए।

श्रीलंका के लिए दुश्मंथा चमीरा, दुनिथ वेलालागे, एहसान मलिंगा और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए।

255 रन के बड़े लक्ष्य के दबाव में श्रीलंका की पूरी टीम 19 ओवर में 135 रन पर सिमट गई और 119 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 33 रन दुनिथ वेलालागे ने बनाए। दासुन शनाका 24 रन बनाकर दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे।

इंग्लैंड की तरफ से सोनी बाकेर ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट लिए। लियाम डॉसन और जेमी ओवरटन ने 2-2 विकेट लिए।

जोश टंग, विल जैक्स और आदिल रशीद को 1-1 विकेट मिला।

हैरी ब्रूक प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सीरीज का दूसरा मुकाबला गुरुवार को रात 11 बजे (भारतीय समयानुसार) से खेला जाएगा।

मेरी बेहतर हुई बैटिंग का श्रेय नईम अमीन को ही जाता है, उन्होंने बहुत मदद कीः राशिद खान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर स्पिन गेंदबाज कदम रखने वाले राशिद खान ने पिछले कुछ समय में अपनी बल्लेबाजी से भी हर किसी को खासा प्रभावित किया है। भारत के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में राशिद ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 16 गेंदों में 28 रन बनाए।

राशिद ने बताया है कि उनकी बैटिंग में सुधार की शुरुआत गुजरात टाइटंस के खेमे में आने के बाद से हुई। राशिद को बतौर बल्लेबाज निखारने में नईम अमीन ने अहम भूमिका निभाई।

मीडिया के साथ बात करते हुए राशिद ने बताया, 'मैं हमेशा से बैटिंग करना चाहता था। मैंने बैटिंग से ही क्रिकेट खेलना शुरू किया था। टीम के लिए 20-25 रन बहुत अहम होते हैं, और मैं अपनी टीम के लिए ऐसा करना चाहता था, खासकर टी20 में। तो, मैं यह कैसे कर सकता हूं? पहले मुझे इतनी बैटिंग नहीं मिलती थी।'

अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी ने आगे कहा, 'हालांकि, जब से मैं गुजरात टाइटंस में आया हूं, मुझे नेट सेशन में ज्यादा बैटिंग करने को मिल रही है। आशीष नेहरा ने मुझसे कहा कि मैं सिर्फ बॉलर के तौर पर नहीं, बल्कि बल्लेबाज के तौर पर भी खेलूंगा। इसी वजह से मैंने बैटिंग पर अधिक ध्यान दिया। अपनी बैटिंग पर काम करने और उसे बेहतर बनाने से, जब मैं मैच में रन बनाता हूं, तो मुझे अपने आप अधिक आत्मविश्वास मिलता है। यह आत्मविश्वास से आता है, और जब आत्मविश्वास बढ़ता है, तो प्रैक्टिस और कड़ी मेहनत का फल मिलता है।'

बैटिंग में तकनीकी सुधार और सफलता उस व्यक्ति की वजह से मुमकिन हो पाई है, जो अक्सर सुर्खियों में नहीं रहता। नईम अमीन, जिनसे राशिद की मुलाकात गुजरात टाइटंस के साथ रहने के दौरान हुई थी, वही व्यक्ति हैं, जिन्हें यह टॉप लेग-स्पिनर तब सबसे पहले फोन करता है, जब उन्हें कुछ गड़बड़ लगता है।

रवीना टंडन ने खोला गोविंदा संग जोड़ी का राज

बोलीं- 'करिश्मा और मेरे अलावा कोई इतनी शानदार जोड़ी नहीं बना पाया'

मुंबई। रवीना टंडन और गोविंदा की जोड़ी 90 के दशक की उन ऑन-स्क्रीन जोड़ीयों में से एक रही है, जिसे आज भी दर्शक याद करते हैं। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और उनकी कॉमेडी, डांस और जबरदस्त टाइमिंग ने पर्द पर खूब रंग जमाया है। अब एक बार फिर से रवीना टंडन उन पुराने दिनों को याद करती नजर आएंगी।

अभिनेत्री 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के सेमीफाइनल एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के तौर पर पहुंची, जहां उन्होंने गोविंदा के साथ अपनी दोस्ती, काम और फिल्म 'दूल्हे राजा' से जुड़ी दिलचस्प कहानी बताई।

कई फिल्मों की थीं, लेकिन बनी नहीं बात

शो के होस्ट हर्ष लिम्बाचिया के साथ बातचीव के दोरान रवीना ने कहा, "मैंने और गोविंदा ने पहले भी साथ में कुछ फिल्में साइन की थीं, लेकिन किसी न किसी वजह से वे फिल्में आगे नहीं बढ़ पाई। हमारे साथ में काम करने की बात बार-बार बनती थी, लेकिन किसी कारण से फिल्म शुरू नहीं हो पाती थी। इसके बाद एक ऐसा मौका आया, जिसने हम दोनों को फिर से साथ काम करने का मौका दिया।

कलकत्ता से शुरू हुई थी 'दूल्हे राजा' की कहानी

रवीना ने कहा, "मैं गोविंदा के साथ एक स्टोर की ओपनिंग के लिए कलकता मई थीं। इसी दोरान गोविंदा ने मुझसे कहा कि दोनों को साथ में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए। गोविंदा ने अपनी एक फिल्म का जिक करते हुए मेरे साथ काम करने की बात कही। इसके बाद हम दोनों ने फिल्म शुरू करने से पहले मंदिर जाने का फैसला किया।

काली माता के मंदिर में की थी पूजा

रवीना के आगे कहा, "हम दोनों सुबह करीब साढ़े पांच बजे काली माता के मंदिर पहुंचे। वहां हमने पूजा की और इसके बाद वापस लौटे। पूजा के अगले ही दिन हमने 'दूल्हे राजा' पर काम शुरू कर दिया। फिल्म मेरे और गोविंदा दोनों के लिए बहुत अच्छी साबित हुई और दर्शकों ने भी हमारी जोड़ी को खूब पसंद की।

गोविंदा के साथ बनाई थी शानदार जोड़ी

"करिश्मा कपूर और मेरे अलावा, मुझे नहीं लगता कि कोई दूसरी एक्ट्रेस गोविंदा के साथ इतनी शानदार जोड़ी बना पाई है। गोविंदा का डांस करने का अंदाज और उनकी कॉमेडी टाइमिंग काकी ख़ास है। मैंने खुद गोविंदा से कॉमेडी की टाइमिंग सीखी है।"

डांस चैलेंज और हंसी का किस्सा

रवीना ने फिल्म 'दूल्हे राजा' के गाने 'लड़का दीवाना लगे' की शूटिंग का एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने कहा, "इस गाने की शूटिग के दोरान हमारे बीच एक तरह का डांस चैलेंज शुरू हो गया था। हम दोनों को डांस करना बहुत पसंद था और हम एक-दूसरे को चुनौती देते रहते थे कि कौन बेहतर शॉट देगा। गाने में एक ऐसा शॉट था, जिसमे हम दोनों एक-दूसरे को देखवे हैं। उस दोरान हमारी हंसी छूट जाती थी।

'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

आलिया भट्ट ने पिता महेश भट्ट को बताया नाटकीय, बोलीं- उनके साथ कई मजेदार यादें जुड़ी हैं

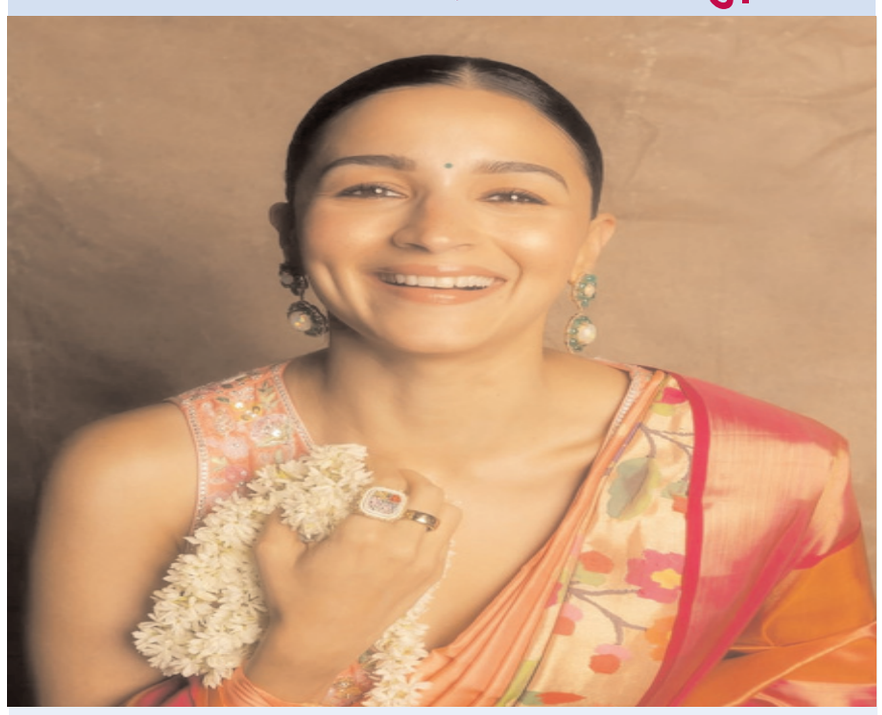

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने मां सोनी राजदानी की फिल्म 'ओम का हरी' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने पिता महेश भट्ट से जुड़ा बचपन का एक किस्सा शेयर किया।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके पिता काफी मजाकिया व्यक्ति हैं, जिस वजह से उनके साथ कई मजेदार यादें जुड़ी हैं। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने कहा, 'जब मैं फर्स्ट क्लास में थी, तब मेरा स्पेलिंग टेस्ट था और मुझे डर लगता था कि मैं 'द' शब्द की स्पेलिंग कहीं भूल न जाऊं। पापा ने ये बात मेरे दिमाग में बैठाने के लिए बहुत बड़ा ड्रामा किया, ताकि मैं स्पेलिंग कभी न भूलूं। मुझे आज भी याद है कि वह उस समय एक बड़े भालू की तरह, बहुत ही नाटकीय और मनोरंजक लग रहे थे।'

फिल्म 'ओम का हरि' भी पिता और बेटे के रिश्ते की उलझनों को दिखाती है। इसे कॉमेडी और ड्रामा के जरिए बताया गया है कि परिवार में कई बार ऐसी बातें होती हैं जो कह पाना मुश्किल होता है।

फिल्म का निर्देशन हरीश व्यास ने किया है। इसमें ओम और हरि के मुख्य किरदारों में अंशुमान झा और रघुबीर यादव नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी का सबसे अहम हिस्सा पिता और बेटे के बीच का रिश्ता है। आमतौर पर पिता और बेटे के रिश्ते में प्यार के साथ-साथ सोच का फर्क भी देखने को मिलता है। दोनों एक-दूसरे को समझने की कोशिश करते हैं, लेकिन कई बार उनके बीच टकराव भी होता है। 'ओम का हरि' इसी रिश्ते के अलग-अलग रंगों को ड्रामा और कॉमेडी के जरिए सामने लाती है।

फिल्म में अंशुमान झा और रघुबीर यादव के अलावा सोनी राजदान, आयशा कपूर और समता सुदीक्षा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फर्स्ट रे फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन हरीश व्यास ने किया है।

बिग बॉस 20 में आम्रपाली दुबे ने सुनाया 'गंगा जमुना सरस्वती' का किस्सा, कहा- 6 घंटे तक रुकी थी शूटिंग

विश्व केसरी

मुंबई। भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने 'बिग बॉस-20' के एक एपिसोड में भोजपुरी फिल्म 'गंगा जमुना सरस्वती' का पुराना किस्सा याद किया। इसमें उन्होंने बताया कि फिल्म के एक फाइट सीन की वजह से शूटिंग करीब 6 घंटे तक रुकी रही थी।

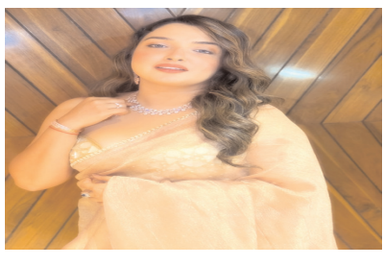

दरअसल, शो के दौरान अभिनेत्री ने भोजपुरी फिल्म 'गंगा जमुना सरस्वती' से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए बताया कि फिल्म के एक फाइट सीन के दौरान रवि किशन और मनोज तिवारी के बीच बहस हो गई थी। दोनों इस बात पर अड़ गए थे कि पहला मुक्का कौन मारेगा, और इसी वजह से शूटिंग करीब 6 घंटे तक रुकी रही थी।

किस्सा शुरू करने से पहले आम्रपाली ने कहा, 'मैं आपको एक कहानी सुनाती हूं। आप सब हंसते-हंसते पागल हो जाएंगे।' उन्होंने याद किया कि रवि किशन और मनोज तिवारी फिल्म में दुश्मन का रोल कर रहे थे और उन्हें एक फाइट सीक्वेंस शूट करना था। पूरे दिन की शूटिंग एक आसान से सवाल पर रुकी रही।

मोहित मल्होत्रा ने बप्पा से सीखा जीवन का मर्म, कहा-आने और जाने का जश्न मानना सीखो

विश्व केसरी

मुंबई। 'बड़े अच्छे लगते हैं', 'ससुराल गेंदा फूल' और 'जमाई राजा' जैसे शो में काम कर दर्शकों के दिलों में खास पहचान रखने वाले अभिनेता मोहित मल्होत्रा ने बताया कि गणपति बप्पा का मतलब उनके जीवन में नई शुरुआत है।

बप्पा के साथ अपने निजी जुड़ाव के बारे में बात करते हुए मोहित ने कहा, 'मेरे लिए बप्पा हमेशा से आस्था, सकारात्मकता और फिर से शुरुआत करने की क्षमता का प्रतीक रहे हैं। कुछ नया शुरु करने से पहले मन को साफ रखना और इस भरोसे से आगे बढ़ना की रास्ता खुद-ब-खुद बन जाएगा, इसमें एक बहुत ही सुकून देने वाली बात है। मैं बप्पा को जमीन से जुड़े रहने से भी जोड़ता हूं।

मोहित ने आगे कहा, 'जिंदगी में चाहे कितने भी बदलाव आ जाएं, कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो आपको वापस खुद से जोड़ देती हैं। मेरे लिए गणेश चतुर्थी में वही एहसास है। यह लोगों को एक साथ लाता है, इतनी पॉजिटिव एनर्जी पैदा करता है और किसी तरह आपको एक पल के लिए रुककर बस आभारी होने पर मजबूर कर देता है।

मोहित ने बताया कि गणपति पूजा के लिए कोई बड़ा रिवाज नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह त्योहार इसलिए है कि मैं बप्पा के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता सकूं, प्रार्थना करूं और त्योहार की शुरुआत पॉजिटिव सोच के साथ करूं। मुझे लगता है कि कभी-कभी हम सब कुछ परफेक्ट करने में उलझ जाते हैं।

मोहित ने कहा, 'मेरे लिए सबसे जरूरी है, एक पल निकालकर बप्पा का आभारी होना और आगे बढ़ते रहने की शक्ति मांगना। शायद यही हर साल मेरी छोटी सी परंपरा है। सच कहूं तो, पूरा माहौल ही मुझे पसंद है। बेशक मोदक को मना करना नामुमकिन है लेकिन मुझे त्योहार के आसपास की एनर्जी सबसे ज्यादा पसंद है। हर तरफ इतनी गर्मजोशी, संगीत, लोग एक साथ आते हैं और जश्न का एहसास होता है और फिर विसर्जन बिल्कुल अलग होता है।

बप्पा को जाते हुए देखने में कुछ भावुक सा है, यह जानते हुए कि पूरा जश्न तो कुछ समय के लिए है लेकिन एहसास हमेशा आपके साथ रहता है।

फिल्म मेकर स्वप्निल महालिंग अब बनाएंगे ध्वनि प्रदूषण पर डॉक्यूमेंट्री

विश्व केसरी

मुंबई । मुंबई के चर्चित लेखक और निर्देशक स्वप्निल महालिंग ने भारत के महानगरों में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण पर जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी डॉक्यूमेंट्री की घोषणा की है।

फिल्म, टीवी और रंगमंच में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके स्वप्निल महालिंग अब अपने रचनात्मक दृष्टिकोण से इस गंभीर और अक्सर अनदेखे पर्यावरणीय संकट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह डॉक्यूमेंट्री दिखाएगी कि किस तरह यातायात, निर्माण कार्य, औद्योगिक गतिविधियाँ और उत्सव-समारोहों से उत्पन्न शोर धीरे-धीरे जनस्वास्थ्य, सामाजिक संतुलन और सांस्कृतिक स्थलों को प्रभावित कर रहा है।

इस परियोजना में आम नागरिकों की वास्तविक कहानियाँ, पर्यावरण विशेषज्ञों के साक्षात्कार, दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों की निरंतर ध्वनि-परिदृश्य को दर्शाने वाले दृश्य शामिल होंगे। व्यक्तिगत अनुभवों और वैज्ञानिक आँकड़ों को जोड़कर स्वप्निल महालिंग यह उजागर करना चाहते हैं कि लंबे समय तक शोर के संपर्क में रहने से मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्तर पर क्या दुष्परिणाम होते हैं।

'ध्वनि प्रदूषण केवल डेसिबल की गिनती नहीं है—यह गरिमा, मानसिक शांति और स्वस्थ वातावरण में जीने के अधिकार से जुड़ा है,' ऐसा कहते हुए स्वप्निल महालिंग ने परियोजना की घोषणा की। उन्होंने आगे कहा कि 'इस डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से मैं संवाद को प्रोत्साहित करना चाहता हूँ, नीतिगत कदमों को बढ़ावा देना चाहता हूँ और नागरिकों को सामूहिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करना चाहता हूँ।'

फिल्म में यह भी दिखाया जाएगा कि ध्वनि प्रदूषण का संबंध जनस्वास्थ्य अभियानों, शहरी नियोजन और सांस्कृतिक परंपराओं से कैसे जुड़ता है हालाँकि भारत के त्योहार और उत्सव हमारी विरासत का अहम हिस्सा हैं, लेकिन स्वप्निल महालिंग यह तलाशेंगे कि समुदाय किस तरह सांस्कृतिक उत्साह बनाए रखते हुए टिकाऊ उपाय अपनाकर लोगों को हानिकारक शोर से बचा सकते हैं।

'खामियों, समझौतों, कुर्बानियों और निस्वार्थ प्यार का जश्न', 20 साल बाद सूर्या-ज्योतिका ने फिर रचाई शादी

विश्व केसरी

मुंबई। साउथ सिनेमा के चर्चित कपल अभिनेता सूर्या और अभिनेत्री ज्योतिका ने अपनी शादी की 20वीं सालगिरह के अवसर पर दोबारा शादी दी की। दोनों ने एक निजी समारोह में फिर से कसमें खाईं। दरअसल, कपल ने दोबारा शादी हिंदू रीति-रिवाजों से नहीं बल्कि, क्रिश्चियन वेडिंग की है।

कपल ने 11 सितंबर 2006 को शादी की थी और सितंबर 2026 में अपने 20 साल पूरे किए हैं।

अभिनेत्री ज्योतिका ने समारोह का एक मनमोहक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वीडियो में ज्योतिका व्हाइट गाउन में अपने बेटे के साथ 'चर्च' की ओर बढ़ती दिख रही हैं, जबकि उनकी बेटी सूर्या के साथ खड़ी हैं। समारोह के दौरान दोनों ने एक-दूसरे से प्रतिज्ञाएं लीं और भावुक हो गए। वीडियो में उनकी वेडिंग की तस्वीरों का एक मोंटाज भी दिखाया गया है।

ज्योतिका ने सफेद गाउन पहना, जबकि सूर्या सफेद सूट जैकेट और काले पतलून में नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, '20 साल के प्यार और तकरार का जश्न, एक बार फिर से ली गई कसमें।'

उन्होंने आगे लिखा, 'यह परफेक्ट शादी का जश्न नहीं है। यह जश्न है खामियों, समझौतों, एक-दूसरे को समझने, कई कुर्बानियों और निस्वार्थ प्यार का। ये जश्न है 'हमारा'। हम एक-दूसरे के लिए जो बन गए हैं, उसका जश्न है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'यह कितना अजीब है कि एक सपना जो हकीकत से बहुत दूर लगता था, आज वही हकीकत है।

फेस्टिव सीजन में पारंपरिक कपड़ों की दीवानी हैं अमीषा पटेल, बोलीं- इससे दोगुना हो जाता है त्योहार का मजा

मुंबई । अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भारतीय त्योहारों और पारंपरिक कपड़ों के प्रति अपने लगाव के बारे में बात की। अभिनेत्री का मानना है कि त्योहार जिंदगी में खुशी और सकारात्मकता लेकर आते हैं।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें त्योहार बहुत पसंद हैं, खासकर दिवाली, गणेश चतुर्थी और नवरात्रि। उन्होंने कहा, "मुझे दिवाली, गणेश चतुर्थी और नवरात्रि बहुत पसंद हैं और इनमें बहुत मजा आता है।"

पॉजिटिव वाइब्स से मिलती है नई शुरुआत

एक्ट्रेस ने त्योहारों से जुड़ी पॉजिटिव एनर्जी के बारे में भी बात की और इसे नई शुरूआत और नए अवसरों का समय बताया। उन्होंने कहा, "पॉजिटिव वाइब्स, अच्छे काम की नई शुरूआत। मुझे लगता है सब कुछ अच्छा होगा।"

पारंपरिक कपड़े पहनने से दोगुना हो जाता है मजा

अमीषा ने आगे बातचीत में कहा कि फेस्टिवल में पारंपरिक कपड़े पहनने से माहौल और भी खुशनुमा हो जाता है। उन्होंने कहा, "त्योहार घर में खुशहाली लेकर आते हैं और ऐसे में पारंपरिक वस्त्र पहनने से पर्व का मजा दो गुना हो जाता है।"

हाल ही में हुई थी चोरी की घटना

इस बीच, अमीषा पटेल हाल ही में तब सुर्खियों में आई जब मुंबई के चर्चगेट इलाके में उनके माता-पिता के घर में कथित तौर पर चोरी हुई, जिसमें घर से लगभग 5 लाख रुपये की सोने और हीरे की ज्वैलरी चोरी हो गई थी। मरीन ड्राइव पुलिस ने इस मामले में पालघर की 40 साल जी एक घरेलू काम करने वाली महिला सीमा घाटे को गिरफ्तार किया।

कई सुपरहिट फिल्मों से बनीं पहचान

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भारतीय फिल्मों में 2000 में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कहो ना... प्यार है' से शुरूआत की थी। उनकी हिट फिल्मों में 'कहो ना... प्यार है' (2000), 'गदर: एक प्रेम कथा' (2001), 'हमराज' (2002) और 'भूल भुलैया' (2007) शामिल हैं। बाद के वर्षों में उन्होंने 'गदर 2' (2023) में भी अपनी भूमिका दोहराई, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही।

गुजराती परिवार से हैं ताल्लुक

अमीषा पटेल एक गुजराती परिवार से आती हैं। उनके दादा बैरिस्टर रजनी पटेल एक प्रसिद्ध वकील और कांग्रेस पार्टी के नेता थे, जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के काफी करीबी माने जाते थे।

त्योहारों की रौनक और पारंपरिक पहनावे में अमीषा पटेल

दो दिवसीय यात्रा पर भूटान पहुंचे एस जयशंकर विदेश मंत्री ल्योनपो डीएन ढुंग्येल ने किया स्वागत

विश्व केसरी

थिम्पू। विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुधवार को दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर भूटान पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत भूटान के विदेश और बाहरी व्यापार मंत्री ल्योनपो डीएन ढुंग्येल ने किया। विदेश मंत्री की इस यात्रा का उद्देश्य भारत और भूटान के बीच लंबे समय से चले आ रहे करीबी सहयोग और दोस्ती को मजबूत करना है।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'कुजुजांगपो ला, भूटान! आज पारो पहुंचकर खुशी हुई। भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डी. एन. ढुंगेल का गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद। हमारी अनोखी दोस्ती और मजबूत रिश्तों को आगे बढ़ाने वाले कार्यक्रमों का इंतजार है।' विदेश मंत्रालय के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर भूटान के विदेश मंत्री ढुंगेल के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा, उनकी भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से शाही मुलाकात भी निर्धारित है। वे भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से भी मुलाकात करेंगे।

विदेश मंत्री ने कहा कि यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित उच्चस्तरीय बातचीत की परंपरा को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद घनिष्ठ मित्रता और सहयोग को और मजबूत करने के लिए की जा रही है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और भूटान के बीच लगातार उच्चस्तरीय और संस्थागत स्तर पर संपर्क बना हुआ है। दोनों देश कूटनीति, विकास और लोगों से जुड़े कई क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं।

इससे पहले सोमवार को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने तीन दिवसीय भूटान दौरे की शुरुआत में थिम्फू में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की थी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, ज्ञानेश कुमार की यात्रा का उद्देश्य भारत के चुनाव आयोग और भूटान के चुनाव आयोग के बीच संस्थागत सहयोग को और मजबूत करना है। उनके दौरे का एक प्रमुख कार्यक्रम मंगलवार को पारो स्थित जिग्मे सिंग्ये वांगचुक स्कूल ऑफ लॉ में मनाया गया भूटान का राष्ट्रीय मतदाता दिवस था। जयशंकर की यह यात्रा भारत और भूटान को अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और भविष्य में सहयोग के नए क्षेत्रों पर चर्चा करने का अवसर देगी। भूटान के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी बैठकों में दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत बनाने पर जोर रहने की उम्मीद है।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून को राहत अपीलीय सुनवाई में झूठी गवाही के आरोप से बरी

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया की एक अपीलीय अदालत ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू के विद्रोह से जुड़े मुकदमे में झूठी गवाही देने के आरोप से बरी कर दिया।

सोल हाईकोर्ट ने कहा कि नवंबर में हुई सुनवाई के दौरान यून ने जब यह कहा था कि 3 दिसंबर 2024 को मार्शल लॉ लागू करने से पहले उनका कैबिनेट बैठक बुलाने का इरादा था, तो यह नहीं लगता कि उन्होंने कोई झूठा बयान दिया था। यह फैसला मई में निचली अदालत की ओर से दिए गए बरी करने के फैसले के अनुरूप है।

अपीलीय अदालत ने कहा, 'यह मानना मुश्किल है कि आरोपी, अपने पद और अनुभव को देखते हुए, यह नहीं जानते थे कि मार्शल लॉ की घोषणा से पहले कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा होना जरूरी है। वास्तव में, ऐसा लगता है कि उन्होंने मार्शल लॉ लागू करने के लिए कम से कम आवश्यक कानूनी शर्तों को पूरा करने की कोशिश की थी। विशेष अभियोजक चो यून-सुक की टीम ने पूर्व राष्ट्रपति पर झूठी गवाही देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था। टीम का कहना था कि यून ने शुरुआत में केवल छह कैबिनेट मंत्रियों को अपने कार्यालय बुलाया था, लेकिन बाद में हान डक-सू के सुझाव पर उन्होंने बैठक के लिए जरूरी संख्या पूरी करने के उद्देश्य से और मंत्रियों को बुलाने का फैसला किया।

अभियोजन पक्ष ने यून पर 10 मिलियन वॉन (करीब 7,332 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाने की मांग की थी। हालांकि, अपीलीय अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यून, हान डक-सू के सुझाव से अलग, खुद भी अतिरिक्त कैबिनेट सदस्यों को बैठक में बुलाने का इरादा रखते थे।

संक्षिप्त खबर

यमन सीमा से दूर रहें अमेरिकी नागरिक, यूएस एडवाइजरी

विश्व केसरी

रियाद। अमेरिका ने सऊदी अरब में रह रहे अपने नागरिकों को यमन की सीमा से दूर रहने की नसीहत दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को सऊदी अरब के लिए यात्रा संबंधी एडवाइजरी को लेवल-3 यानी 'यात्रा पर पुनर्विचार' की श्रेणी में रखा है और यमन से लगी सीमा वाले इलाकों के लिए लेवल-4 यानी 'यात्रा न करें' की चेतावनी जारी की है। दूतावास ने कहा है कि यमन सीमा क्षेत्र में आतंकवाद का खतरा है और अमेरिकी नागरिकों को किसी भी कारण से इस इलाके की यात्रा नहीं करनी चाहिए। एडवाइजरी के अनुसार, यमन में सक्रिय सशस्त्र समूहों ने सऊदी अरब के सीमावर्ती शहरों और अन्य ठिकानों को ड्रोन, मिसाइल और रॉकेट से निशाना बनाया है। सीमा के नजदीक रहने वाले लोगों के लिए खतरा अधिक बताया गया है। अमेरिका ने सऊदी अरब की अपनी व्यापक यात्रा एडवाइजरी में ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों, सशस्त्र संघर्ष, आतंकवाद, देश छोड़ने पर प्रतिबंध और सोशल मीडिया से जुड़े स्थानीय कानूनों को प्रमुख जोखिमों के रूप में गिनाया है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, ईरान की ओर से सऊदी अरब में शहरों, बुनियादी ढांचे, हवाई अड्डों, सैन्य ठिकानों, राजनयिक प्रतिष्ठानों और ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए हैं।

हूती का दावा, 'सऊदी अरब के एफ-15 जेट को मार गिराया'

विश्व केसरी

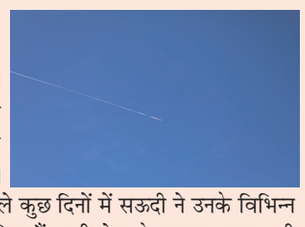

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने उन्होंने सऊदी अरब के एफ-15 जेट को मार गिराया है। हूती का ये भी कहना है कि पिछले कुछ दिनों में सऊदी ने उनके विभिन्न जिलों पर 450 से ज्यादा हमले किए हैं। हूती सेना के प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा, 'यमन के मारिब प्रांत के ऊपर सऊदी अरब के एफ-15 फाइटर जेट को मार गिराया गया।' उनके मुताबिक, 'स्थानीय स्तर पर बनी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल' से सऊदी लड़ाकू विमान को निशाना बनाया गया। उन्होंने एक बयान में कहा, 'फाइटर मारिब प्रांत के हवाई क्षेत्र में आक्रामक कार्रवाई कर रहा था। हालांकि सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। स्थानीय सूत्रों ने अल जजीरा को बताया कि हूती बलों ने मारिब के उत्तर-पश्चिम में माउंट हेलन के पास इस लड़ाकू विमान को मार गिराया। सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने बताया कि इस हफ्ते अब तक सऊदी लड़ाकू विमानों ने ताइज, लाहज, अल-जौफ, हज्जा, मारिब, सादा और अल-बैदा को निशाना बनाते हुए 450 से ज्यादा हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि इन हमलों में आम नागरिक हताहत हुए हैं। सरी ने कहा कि यह सशस्त्र समूह 'सभी उपलब्ध साधनों का इस्तेमाल करके किसी भी हमले या उल्लंघन से अपने देश के हवाई क्षेत्र और संप्रभुता की रक्षा करना जारी रखेगा। इससे पहले बुधवार सुबह इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र स्थल मक्का के इतिहास में पहली बार सऊदी अरब के सिविल डिफेंस ने संभावित हवाई हमले की चेतावनी देते हुए इमरजेंसी अलर्ट जारी किया।

जापानः पीएम ताकाइची ने पार्टी नेतृत्व में किया बदलाव, अधिकांश पुराने चेहरों को रखा बरकरार

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने बुधवार को सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के शीर्ष नेतृत्व में पहला बदलाव किया। उन्होंने पार्टी के अधिकांश प्रमुख पदाधिकारियों को बरकरार रखा। यह फेरबदल ऐसे समय हुआ है जब वर्ष के अंत तक सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण विधायी मुद्दे हैं।

क्योडो न्यूज एजेंसी ने बताया कि ताकाइची ने पूर्व प्रधानमंत्री तारो आसो को एलडीपी के उपाध्यक्ष पद पर बनाए रखा है। आसो पार्टी के भीतर बचे एकमात्र प्रमुख गुट का नेतृत्व करते हैं और पिछले वर्ष अक्टूबर में हुए पार्टी नेतृत्व चुनाव में ताकाइची की जीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आसो के रिश्तेदार शुनिची सुजुकी को भी महासचिव पद पर बरकरार रखा गया है।

नई टीम की घोषणा के बाद टोक्यो में पत्रकारों से बातचीत में ताकाइची ने कहा कि पार्टी देश के सामने मौजूद कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि नए पदाधिकारियों की नियुक्ति का उद्देश्य ऐसी कार्यान्वयन व्यवस्था तैयार करना है, जिसके तहत सरकार और एलडीपी पूरी ताकत से काम कर सकें।

काजियामा के पहले संभाले जा रहे डाइट मामलों के प्रमुख पद की जिम्मेदारी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हिदेकी मुराई को दी गई है। मुराई इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के कार्यकाल में उप मुख्य कैबिनेट सचिव रह चुके हैं। संसद में सरकार की ओर से विपक्ष के साथ बातचीत की जिम्मेदारी संभालने वाले इस महत्वपूर्ण पद पर ऐसे नेता की नियुक्ति हुई है, जिसे अब तक कैबिनेट में काम करने का अनुभव नहीं है। हालांकि, मुराई ने महत्वपूर्ण विधेयकों को लेकर विपक्षी दलों के साथ बातचीत में अहम भूमिका निभाई है।

पार्टी के चुनाव रणनीति प्रमुख यासुतोशी निशिमुरा और कार्यकारी कार्यवाहक महासचिव कोइची हागिउदा को भी उनके पदों पर बनाए रखा गया है। दोनों नेताओं का नाम वर्ष 2023 के अंत में सामने आए चर्चित राजनीतिक स्लश फंड घोटाले में आया था।

कैलिफोर्नियाः लॉस एंजिलिस के चैट्सवर्थ इलाके में हेलीकॉप्टर क्रैश,तीन की मौत

विश्व केसरी

लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में मंगलवार रात (स्थानीय समयानुसार) चैट्सवर्थ इलाके में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय अधिकारियों ने इस हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। इससे पहले मंगलवार रात ही इसी इलाके में एक एसयूवी और मेट्रो बस की टक्कर हुई थी, जिसमें कम से कम दो लोगों की जान चली गई थी।

एनबीसी लॉस एंजिलिस न्यूज ने बताया कि इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल चैट्सवर्थ में हुए सड़क हादसे की कवरेज के लिए किया जा रहा था। और तभी हेलीकॉप्टर भी हादसे का शिकार हो गया। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट (एलएएफडी) ने भी हेलीकॉप्टर हादसे की पुष्टि की। विभाग के अनुसार, दुर्घटना चैट्सवर्थ के 9151 नॉर्थ मेसन एवेन्यू पर हुई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, शाम करीब 7 बजे हेलीकॉप्टर दो व्यावसायिक इमारतों के बीच गिरा। एनबीसी लॉस एंजिलिस ने बताया कि हादसे के बाद हेलीकॉप्टर में सवार पायलट और अन्य लोगों से संपर्क करने की कोशिश की गई।

इस दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई, जबकि एक व्यक्ति को पास के अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में भर्ती व्यक्ति की हालत के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल सकी। सीबीएस न्यूज के अनुसार, हेलीकॉप्टर गिरते समय दो शिपिंग कंटेनरों और वहां खड़े कई वाहनों के ऊपर आ गिरा। रिपोर्टों के मुताबिक, चैट्सवर्थ में पहले हुए एसयूवी और मेट्रो बस हादसे के कारण कई हेलीकॉप्टर इलाके के ऊपर उड़ रहे थे और अधिकारी तथा मीडिया टीमें मौके पर मौजूद थीं। इसी दौरान यह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

मिस्र के राष्ट्रपति और सऊदी क्राउन प्रिंस की मुलाकात, संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने काहिरा में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मंगलवार को हुई इस बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने तथा व्यापार और निवेश के बढ़ते प्रवाह में आ रही रुकावटों को दूर करने पर सहमति जताई। यह जानकारी मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

बयान के अनुसार, राष्ट्रपति सीसी ने सऊदी अरब की संप्रभुता, स्थिरता और क्षेत्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी हमले या धमकी की निंदा की और उन्हें पूरी तरह अस्वीकार किया।

उन्होंने दोहराया कि मिस्र, सऊदी अरब की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का समर्थन करता है। साथ ही, यमन संकट का व्यापक और स्थायी राजनीतिक समाधान निकालने की कोशिशों के भी पक्ष में है।

वहीं, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने में मिस्र की भूमिका की सराहना की। उन्होंने हाल की भू-राजनीतिक चुनौतियों के दौरान सऊदी अरब के प्रति मिस्र के समर्थन और एकजुटता की भी प्रशंसा की।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब यमन के हूती समूह और सऊदी अरब के बीच सीमा पार संघर्ष लगातार तेज हो रहा है। हूती समूह ने सोमवार को दावा किया था कि उसने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक प्रमुख सैन्य एयरबेस पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। इसके अलावा, पिछले सप्ताह हूती लड़ाकों ने रणनीतिक महत्व वाले मोखा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया।

यूक्रेन में रूस का कहर जारी, यात्री बस पर एफपीवी ड्रोन से हमले में पांच की मौत

विश्व केसरी

कीव। यूक्रेन में रूस की आक्रामकता लगातार जारी है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि बुधवार सुबह निकोपोल जिले में एक रूसी एफपीवी ड्रोन ने एक यात्री बस को निशाना बनाया। हादसे में पांच लोग की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर रूस की इस आक्रामकता की जानकारी साझा की।

सिबिहा ने पोस्ट में लिखा, 'रूस का आतंक एक दिन के लिए भी नहीं रुकता। आज सुबह निकोपोल जिले में एक रूसी एफपीवी (फर्स्ट-पर्सन व्यू) ड्रोन ने एक यात्री बस को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। आज ही रूस ने कीव-माइकोलाइव यात्री ट्रेन पर भी हमला किया। हालांकि, यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को समय रहते सुरक्षित निकाल लिया गया। 'सिबिहा ने कहा कि ये हमले एक ही सोच और रणनीति का हिस्सा हैं। रूसी सेना यात्री ट्रेनों, लोकोमोटिव, रेलवे स्टेशनों और रेल मार्गों को निशाना बना रही है, जबकि उसे अच्छी तरह पता है कि ये आम लोगों, निकासी अभियानों और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। यह कोई गलती से हुआ नुकसान नहीं है। यह लोगों को निशाना बनाने और सामान्य नागरिक जीवन को ठप करने की एक सोची-समझी कोशिश है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया कभी-कभी होने वाली नहीं हो सकती, जबकि रूस का आतंक हर दिन जारी है।

रूस के हर हमले के जवाब में उस पर नया दबाव बनाया जाना चाहिए। हर हमले के बाद रूस की आय, तकनीक, उत्पादन क्षमता और सप्लाई चेन पर नए प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

बांग्लादेश ट्रिब्यूनल ने 7 नेताओं को सुनाई सजा-ए-मौतः अवामी लीग बोला, 'फैसला एकतरफा और मनगढ़ंत'

विश्व केसरी

ढाका। अवामी लीग ने बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) के उस फैसले को एकतरफा, पक्षपातपूर्ण और मनगढ़ंत बताया है जिसमें उसने पार्टी के सात नेताओं और कार्यकर्ताओं को मौत की सजा सुनाई है।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीटी ने मंगलवार को अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर और पार्टी व उससे जुड़े संगठनों के छह अन्य वरिष्ठ नेताओं को जुलाई 2024 विद्रोह से जुड़े 'मानवता के खिलाफ अपराधों' का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई। अवामी लीग ने आरोप लगाया कि यह 'तथाकथित फैसला' राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने के लिए 'न्यायपालिका के हथियार के तौर पर इस्तेमाल' का ताजा उदाहरण है।

इस बात पर जोर देते हुए कि जिन लोगों के खिलाफ फैसला सुनाया गया, उनमें से कोई भी ट्रिब्यूनल के सामने मौजूद नहीं था, पार्टी ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून का एक बुनियादी नियम यह है कि आरोपी की गैर-मौजूदगी में होने वाली सुनवाई में भी कम से कम कानूनी सुरक्षा (जिसमें आरोपी को अपनी पसंद का वकील चुनने का अधिकार भी शामिल है) की गारंटी दी जानी चाहिए। हालांकि, मौजूदा ट्रिब्यूनल में इन गारंटियों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। पार्टी के अनुसार, पूरी न्यायिक प्रक्रिया जल्दबाजी में पूरी की गई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून के बुनियादी और सर्वमान्य सिद्धांतों की 'पूरी तरह से अनदेखी' की गई। इससे कानून के शासन के बजाय 'बिना सजा के अपराध करने की छूट और राजनीतिक बदले की भावना' को बढ़ावा मिला है।

भारत ने पाकिस्तान हाई कमीशन के कार्यवाहक राजदूत को किया तलब

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के चार्ज डी'अफेयर्स (कार्यवाहक राजदूत) को विदेश मंत्रालय में तलब किया। मामला पाकिस्तानी नौसेना के गैर पेशेवर रवैए से जुड़ा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

एमईए के अनुसार, नई दिल्ली में पाकिस्तान के हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स को आज विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। उनसे समुद्र में पाकिस्तानी नौसेना की यूनिट्स के अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर व्यवहार पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। इस रवैए के कारण भारतीय नौसेना की एक यूनिट के साथ टक्कर हुई थी।

इसमें आगे बताया गया कि हालांकि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई इस घटना से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन पाकिस्तानी नौसेना का आचरण अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही की अग्रिम सूचना पर हुए समझौते के अनुच्छेद 10 का सीधा उल्लंघन था।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान के चार्ज डी'अफेयर्स को सलाह दी गई कि वे 'संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों तक यह बात पहुंचाएं कि ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए सभी सैन्य यूनिट्स को उचित सावधानी बरतने को कहें और दोनों पक्षों के बीच संबंधित समझौतों के प्रावधानों का सम्मान करें। साथ ही इस्लामाबाद में भारत के चार्ज डी'अफेयर्स को भी निर्देश दिया गया है कि वे पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी तरह का विरोध दर्ज कराएं। 15 सितंबर की शाम उत्तर अरब सागर में भारतीय नौसेना के एक फ्रंटलाइन युद्धपोत और पाकिस्तान नौसेना के एक जहाज के बीच टक्कर हो गई थी।

सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज एक नियमित निगरानी मिशन पर तैनात भारतीय युद्धपोत के बेहद करीब तेज गति से आया और इस दौरान उसने गैर-पेशेवर अंदाज अपनाया। इसी वजह से दोनों जहाजों की टक्कर हुई।

सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से, जनभागीदारी से जिले में होंगे 13 तरह के आयोजन

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले में जनभागीदारी को बढ़ावा देने और सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों को व्यापक रूप देने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान 2026 का आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक किया जाएगा। अभियान के दौरान सेवा, जनभागीदारी, स्वच्छता, जल संरक्षण, नवाचार एवं सुशासन को केंद्र में रखकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान की तैयारियों को लेकर 15 सितंबर को प्रभारी मंत्री अरुण साव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल एवं व्यापक आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। जिला स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत को नोडल अधिकारी तथा अपर कलेक्टर को जिला प्रभारी अधिकारी व सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं जनपद स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी को नोडल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

51 हजार दीपों से बनेगा भारत का मानचित्र

अभियान के तहत 'आशीर्वाद का दीया' पहल की शुरुआत 17 सितंबर को होगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम पीएम श्री स्कूल नरहरदेव में 51 हजार दीप प्रज्वलित कर भारत का मानचित्र तैयार किया जाएगा। इसके अलावा जिले के विकासखंडों में कुल 5 लाख दीप प्रज्वलन का लक्ष्य रखा गया है। 35 ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में हजारों विद्यार्थी लेंगे हिस्सा

'मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा' पहल 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक चलेगी। इसके अंतर्गत भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं स्कूल स्तर से शुरू होकर ब्लॉक और जिला स्तर तक आयोजित की जाएंगी। इसमें 89,472 प्रतिभागियों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है।

नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए पहुंचाई जाएंगी सेवा की कहानियां

'नमो सेवा अनकही कहानियां' पहल 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगी। इसके तहत 83 गतिविधियां, 18 से 20 नाट्य टोलियां और करीब 12,450 प्रतिभागियों की भागीदारी प्रस्तावित है।

आंगन मिलन में पौष्टिक थाली से लेकर सम्मान तक

25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें पौष्टिक थाली, व्यंजन प्रदर्शन, खेलकूद गतिविधियों के साथ सम्मान कार्यक्रम होंगे। इस पहल में 55,742 प्रतिभागियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

हितग्राहियों की सफलता की कहानियां वीडियो रील में होंगी दर्ज

'सेवा की कहानी' पहल के तहत संपूर्ण अभियान के दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियों को वीडियो एवं रील के माध्यम से संकलित किया जाएगा। इसके लिए 35 गतिविधियों के साथ रील प्रतियोगिता भी आयोजित होगी।

***डिजिटल क्रिएटर्स करेंगे परिवर्तनकारी स्थलों का भ्रमण**

'सेवा संकल्प यात्रा' 3 से 4 दिवसीय होगी। इसमें 10 डिजिटल क्रिएटर्स जिले के चार परिवर्तनकारी स्थलों का अध्ययन भ्रमण करेंगे और वहां हुए कार्यों एवं बदलावों को डिजिटल माध्यम से सामने लाएंगे।

गांवों से निकलेगी सेवा ज्योति कलश यात्रा

7 अक्टूबर को 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' के तहत ग्राम पंचायतों से पदयात्रा एवं बाइक रैली निकाली जाएगी। जिले में कुल 8 आयोजन होंगे। इसका मुख्य आयोजन पीएम श्री स्कूल नरहरदेव में किया जाएगा।

भूतेश्वर नाथ मंदिर परिसर में जलाये जाएंगे 25 हजार दीये

17 सितम्बर को जिलेभर में एक साथ होगा दीप प्रज्वलन

कलेक्टोरेट गार्डन से लेकर गांव-मुहल्लों तक जगमगाएंगे दीप

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तिरहुड़े)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे देशभर में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत गरियाबंद जिले में सेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 17 सितम्बर को जिले भर में व्यापक स्तर पर आशीर्वाद के दीया के तहत दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जिले में लगभग 10 लाख दीयों से विभिन्न प्रमुख स्थल, शासकीय कार्यालय, गांव और मुहल्ले रोशन होंगे।

17 सितम्बर को शाम 7 बजे कलेक्टोरेट परिसर स्थित गार्डन में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री वेदव्रत सिरमौर सहित जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारी एक साथ दीप प्रज्वलित करेंगे। इस अवसर पर भुतेश्वरनाथ मंदिर परिसर में भी 25 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा और जनभागीदारी का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

राजिम स्थित त्रिवेणी संगम के निकट गंगा आरती घाट, कुलेश्वर महादेव मंदिर, राजीव लोचन मंदिर सहित जिले के विभिन्न प्रमुख धार्मिक एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर भी वृहद रूप से दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ ही सभी नगरीय निकायों, विकासखण्डों में शासकीय कार्यालयों, ग्राम पंचायतों, गांवों और मुहल्लों में भी सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन किया जाएगा। इस आयोजन में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, मीडियाकर्मी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन दीदियां, स्वच्छता दीदियां, ग्राम पंचायत सचिव, कोटवार, रोजगार सहायक सहित विभिन्न विभागों के मैदानी कर्मचारी और ग्रामीणजन सहभागी बनेंगे।

17 सितंबर को कलेक्टोरेट परिसर में होगा आशीर्वाद के दीया के तहत दीप प्रज्वलित

शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर 2026, गुरुवार को सेवा संकल्प दिवस आयोजन के तहत् आशीर्वाद का दीया प्रत्येक परिवार स्तर पर दीप प्रज्जवल का कार्यक्रम शाम 07:00 बजे कलेक्टोरेट परिसर स्थित गार्डन में किया जायेगा। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने जिले के सभी विभागों को अपने-अपने अधिकारी, कर्मचारी के साथ समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

25 वर्षों की राष्ट्रसेवा को नमन 17 सितंबर को हर घर जलेगा 'सेवा का दीप'

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों के महत्वपूर्ण पड़ाव पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा-संकल्प को नमन करते हुए 17 सितंबर को अपने-अपने घरों के आंगन में 'एक दीप सेवा के नाम, एक दीप राष्ट्र के नाम' जलाने का आह्वान किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को लेकर 17 सितंबर से एक माह के सेवा संकल्प अभियान की घोषणा की गई है।

पार्षद संदीप मेश्राम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने गरीबों के लिए पक्के आवास, बिजली, स्वच्छ पेयजल, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, मुफ्त राशन और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार सहित अनेक क्षेत्रों में योजनाओं और विकास कार्यों को गति दी है। 'मेक इन इंडिया' से आत्मनिर्भरता, डिजिटल भारत से नई तकनीकी शक्ति, बेहतर बुनियादी ढांचे से विकास की रफ्तार और

विकसित भारत के संकल्प की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है।आइए, इस ऐतिहासिक अवसर को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं।

कमार विकास प्राधिकरण की राशि के बंदरबांट का आरोप जांच की मांग

विश्व केसरी

गरियाबंद । जिले में कमार एवं भुंजिया जनजाति के सामाजिक,आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिये गठित विकास प्राधिकरणों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समाज भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनसिंग सोरी ने कलेक्टर गरियाबंद को आवेदन सौंपकर कमार विकास प्राधिकरण की विकास राशि के कथित बंदरबांट और पूर्व में किये गये व्यय की जांच की मांग की है। उन्होंने कमार एवं भुंजिया जनजाति के लोगों की मूलभूत समस्याओं के समाधान सहित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन में कमार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत कमार एवं भुंजिया समुदाय आज भी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुये हैं। कई परिवार बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। शासन द्वारा जनजातियों के विकास के लिये उपलब्ध कराई जाने वाली राशि का वास्तविक हितग्राहियों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। बनसिंग सोरी ने आरोप लगाया कि कमारों के विकास के लिये स्वीकृत राशि का बंदरबांट कर फिजूल योजनाओं में खर्च किया जाता है। इससे समुदाय के लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा। आवेदन में पूर्व में खर्च की गई विकास राशि की जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है।

बता दें कि कमार जनजाति के समुचित विकास के लिये शासन द्वारा वर्ष 1982 से गरियाबंद में पृथक कमार विकास प्राधिकरण का गठन किया गया था। इसका उद्देश्य कमार समुदाय के विकास की योजनायें बनाकर उनका प्रभावी क्रियान्वयन करना था।

हालांकि, कमार समाज के कुछ वरिष्ठ नागरिकों का आरोप है कि प्राधिकरण के गठन के दशकों बाद भी जमीनी स्तर पर अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है।

विश्व ओजोन दिवस पर एनसीसी कैडेटों ने कन्या शिक्षा परिसर में किया वृक्षारोपण

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर 16 सितंबर को वन छत्तीसगढ़ गर्ल्स बटालियन एनसीसी, परचनपाल के अधीन संचालित कन्या शिक्षा परिसर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ओजोन परत संरक्षण विषय पर लेक्चर, जागरूकता रैली एवं वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर एनसीसी कैडेटों एवं विद्यालय की छात्राओं ने मिलकर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को ओजोन परत के महत्व, उसके क्षरण के कारणों तथा ओजोन परत को होने वाले नुकसान को रोकने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया।

एनसीसी कैडेटों ने रैली के माध्यम से ओजोन परत संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया। छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने और प्रकृति की रक्षा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, एनसीसी अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं ओजोन परत की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

भानुप्रतापपुर धनेलीकन्हार सड़क मार्ग की लीपा-पोती पर कड़ा विरोध

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। शिवसेना के वरिष्ठ नेता महेश वासुदेव दुबे ने एक वीडियो जारी कर भानुप्रतापपुर से धनेलीकन्हार तक क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग की मरम्मत के नाम पर की जा रही लीपा पोती पर जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। आंदोलन के चेतावनी के बाद शुरू हुआ कार्य शिवसेना नेता महेश वासुदेव दुबे ने बताया कि विगत समय में शिवसेना ने इस जर्जर सड़क मार्ग को लेकर जिला प्रशासन और भानुप्रतापपुर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई थी की यदि एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ

तो शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी चक्काजाम आंदोलन करेगी। इस चेतावनी के बाद ही लोक निर्माण विभाग भानुप्रतापपुर एवं लोक निर्माण विभाग कांकेर द्वारा सड़क के मरम्मत का कार्य प्रारंभ किया गया। जारी वीडियो में दुबे ने आरोप लगाया है कि यहां मरम्मत कार्य केवल खानापूर्ति और लीपा पोती मात्र है जिससे सड़क की स्थिति में कोई वास्तविक सुधार नहीं होगा। शिवसेना इस घटिया स्तर के मरम्मत कार्य का कड़ा विरोध करती है शिवसेना नेता ने प्रशासन से मांग की है कि उक्त मार्ग का उचित और टिकाऊ मरम्मत कराया जाएं। ताकि उक्त मार्ग को सुगम बनाया जा सकें। उन्होंने कहा कि सड़क की खराब स्थिति के कारण आम जनता को यात्राएं करने में भारी दिक्कत हो रही है शिवसेना ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया और सड़क का उचित निर्माण नहीं कराया तो वह आगे लोकतांत्रिक तरीके से चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

योग शिविर में डॉ. संजय वस्त्रकार ने बताए स्वस्थ जीवन के अमूल्य सूत्र

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। आरसीएम सेवा दिवस के अवसर पर 'स्वास्थ्य ही सच्चा धन है' एवं 'स्वस्थ, संगठित, समृद्ध भारत' की भावना के साथ स्थानीय शुभ पल्ली दुर्गा मंदिर प्रांगण, पखांजूर में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 5 बजे से आयोजित शिविर में प्रेरणादायक वक्ता एवं योग प्रेमी डॉ. संजय वस्त्रकार ने योग साधकों और आरसीएम परिवार के सदस्यों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए मार्गदर्शन दिया। शिविर का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ।

डॉ. वस्त्रकार के नेतृत्व में प्रतिभागियों ने क्रमबद्ध रूप से विभिन्न योगाभ्यास किए। शुरुआत सूक्ष्म व्यायाम, योगिक जॉगिंग, सूर्यनमस्कार और ताली अभ्यास से हुई। इसके बाद खड़े होकर ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन एवं अर्द्ध चक्रासन तथा बैठकर भद्रासन, मंडूकासन, गोमुखासन, वक्रासन, उत्तानमंडूकासन एवं

योग मुद्रासन का अभ्यास कराया गया। पेट के बल मकरासन, भुजंगासन और शलभासन तथा पीठ के बल उत्तानपादासन, मर्कटासन, पवनमुक्तासन, पश्चिमोत्तानासन और हलासन कराया गया। अंत में शवासन, हास्यासन और शांति पाठ के साथ शिविर संपन्न हुआ।

भोजन और जीवनशैली पर किया जागरूक

शिविर में डॉ. वस्त्रकार ने भोजन और स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक करते हुए 'पांच जहर' के रूप में सफेद चीनी, अधिक नमक, मैदा, पॉलिश किया हुआ सफेद चावल तथा अत्यधिक डेयरी एवं प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के सेवन को सीमित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अत्यधिक चीनी और नमक का सेवन मोटापा, उच्च रक्तचाप एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकता है। वहीं उन्होंने फाइबरयुक्त, प्राकृतिक और संतुलित भोजन को दैनिक आहार में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने संदेश दिया कि 'आहार ही बीमारी का कारण और आहार ही इलाज' मानने के बजाय संतुलित आहार, नियमित योग और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना आवश्यक है।

माताओं-बहनों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

योग शिविर में क्षेत्र की बड़ी संख्या में माताओं एवं बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें अंजलि दास, नीली सरकार, सुप्रिया शील, मुनमुन दास, स्मिता साहा, बनानी आईच, छबि बाला, रिजवान कुरैशी, मिठू रानी मंडल, अनिता घोष एवं चंचल कीर्तनिया सहित अन्य प्रतिभागी शामिल रहीं।

आयोजक समिति के प्रणव कुमार कीर्तनिया (योग शिक्षक एवं योग साधक) ने सभी से नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में 'आइए योग करें, निरोग रहें' और 'योग से ही स्वस्थ जीवन' के संदेश के साथ स्वस्थ एवं समृद्ध भारत निर्माण का संकल्प लिया गया।

महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर बौद्धिक प्रतियोगिताएं हुई

विश्व केसरी

अंतागढ़। शासकीय लाल कालिंद सिंह महाविद्यालय अंतागढ़ में हिंदी दिवस के अवसर पर तात्कालिक भाषण, कविता पाठ एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित विभिन्न बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य रमेश कुमार दर्रो ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भाषा की भूमिका महत्वपूर्ण है। हिंदी भाषी क्षेत्र होने के कारण हिंदी में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, शोध, तकनीकी ज्ञान एवं डिजिटल संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। हिंदी विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक भूषण कुमार देवांगन ने हिंदी दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। तात्कालिक भाषण में रामचरण उइके प्रथम एवं

सालिहा खान द्वितीय रहे। कविता पाठ में देवेन्द्र तुलावी प्रथम और तेजस्वी सिंधारे द्वितीय रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष से लोकेश कौड़ो प्रथम, सालिहा खान द्वितीय तथा विपक्ष से लालूप्रसाद प्रथम और आशिका द्वितीय रहे। निर्णायक मंडल में प्रो. रोशन कुमार केमरों, बहादुर नेताम, सचिन कुमार एवं धर्मेंद्र साहू शामिल रहे।कार्यक्रम का संचालन निवेदिता एवं हितेश्वरी वट्टी ने किया। विजयी प्रतिभागियों को हिंदी विभाग की ओर से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मुख्यालय में जमे शिक्षकों की जांच की जाए-विजय झाड़ी

डिजिटल साइन अटेंडेंस के बावजूद मूल पदस्थापना वाले स्कूलों में नहीं पहुंचने का आरोप

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। राज्य शासन के निर्देशों और जिला प्रशासन के आदेशों के पालन को लेकर बीजापुर में गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार रक्षक के जिला अध्यक्ष विजय झाड़ी ने आरोप लगाया है कि कुछ शिक्षक अपनी मूल पदस्थापना वाले विद्यालयों में सेवाएं देने के बजाय जिला मुख्यालय में ही जमे हुए हैं। इससे दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

विजय झाड़ी का कहना है कि जिले में डिजिटल साइन अटेंडेंस व्यवस्था लागू होने के बावजूद शिक्षकों की वास्तविक उपस्थिति और उनके

पदस्थापना स्थल पर मौजूदगी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में डिजिटल उपस्थिति के रिकॉर्ड और विद्यालयों में शिक्षकों की भौतिक उपस्थिति का मिलान कराया जाना आवश्यक है।

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि शासन और कलेक्टर के स्पष्ट निर्देश हैं, तो उनका पालन सुनिश्चित क्यों नहीं कराया जा रहा है? जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ऐसे मामलों में कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?उन्होंने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, शिक्षकों की पदस्थापना, डिजिटल अटेंडेंस रिकॉर्ड और विद्यालय में भौतिक उपस्थिति की जांच कराने की मांग की है। साथ ही आदेशों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।

विजय झाड़ी ने कहा कि शासन के आदेश सर्वोपरि हैं, इसलिए उनकी अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

यूपीआई पर एमडीआर टैक्स नहीं है, बल्कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने में मदद करेगा: टीवी मोहनदास पई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आरिन कैपिटल के चेयरमैन और इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) टीवी मोहनदास पई ने यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि 96 प्रतिशत यूपीआई ट्रांजैक्शन इस शुल्क के दायरे में नहीं आएंगे।

बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पई ने कहा कि लगभग 70 प्रतिशत यूपीआई भुगतान व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) श्रेणी के हैं और उन पर किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसके अलावा 2,000 रुपए तक के सभी भुगतान भी पूरी तरह शुल्क मुक्त रहेंगे। केवल 2,000 रुपए से अधिक के व्यापारी भुगतान पर नाममात्र का एमडीआर लागू होगा।

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट करना जरूरी है कि एमडीआर कोई टैक्स नहीं है। यह बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को दिया जाने वाला शुल्क है, ठीक उसी तरह जैसे क्रेडिट कार्ड भुगतान पर व्यापारी प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करते हैं।

पई ने कहा कि जब कोई ग्राहक क्रेडिट कार्ड का उपयोग करता है तो व्यापारी को कार्ड कंपनी और बैंक को शुल्क देना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति को 2,500 रुपए का भुगतान करना हो तो वह इसे दो हिस्सों में बांट सकता है, जैसे 1,500 रुपए और 1,000 रुपए, जिससे दोनों भुगतान 2,000 रुपए की सीमा से नीचे रहेंगे।

उन्होंने कहा कि यूपीआई प्रणाली को बनाए रखने और लगातार बेहतर बनाने में भारी पूंजी निवेश और परिचालन खर्च लगता है। पहले कई मौकों पर लेनदेन की संख्या अचानक बढ़ने से यूपीआई में 15 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक ट्रांजैक्शन फेल होने की समस्या भी देखने को मिली थी।

पई के अनुसार, अगले दो वर्षों में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या 24 अरब से बढ़कर 50 अरब तक पहुंच सकती है। ऐसे में पूरे सूचना प्रौद्योगिकी ढांचे को उन्नत बनाना होगा ताकि रियल-टाइम ट्रांजैक्शन को बिना किसी रुकावट के संभाला जा सके।

उन्होंने सवाल उठाया कि इस अपग्रेड का खर्च कौन वहन करेगा। यदि पूरा खर्च बैंक उठाएंगे तो इसका असर अंततः जमाकर्ताओं पर पड़ेगा। इसलिए अब इस लागत का एक हिस्सा उन व्यापारियों को भी वहन करना होगा, जिन्हें डिजिटल भुगतान स्वीकार करने से सीधे लाभ मिलता है।

इस बीच, 2,000 रुपए से अधिक के व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू किए जाने के फैसले पर राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि आज दुनिया भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति की सराहना कर रही है।

यूपीआई के माध्यम से सबसे अधिक ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करने वाले देशों में भारत अग्रणी बन चुका है।

उन्होंने कहा कि भारत ने डिजिटल और आर्थिक लेनदेन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है और यूपीआई आज देश की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धियों में से एक माना जाता है।

पीएम विश्वकर्मा योजना ने 30 लाख लाभार्थियों के पंजीकरण का लक्ष्य किया हासिल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पीएम विश्वकर्मा योजना ने लॉन्च होने के तीन साल के भीतर ही 30 लाख लाभार्थियों के पंजीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण, टूलकिट, ऋण सहायता, डिजिटल प्रोत्साहन और बाजार से जुड़ाव जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी फैक्टशीट में दी गई।

इस योजना के तहत 24.37 लाख से अधिक कारीगरों को बुनियादी कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है और 18.16 लाख से अधिक कारीगरों को टूलकिट प्रदान की गई हैं। वहीं, लाभार्थियों को कच्चा माल खरीदने, औजारों को अपग्रेड करने और कारोबार का विस्तार करने में मदद के लिए करीब 5,316 करोड़ रुपए के 6.19 लाख से अधिक ऋण मंजूर किए गए हैं। वहीं, 8.11 लाख से अधिक लाभार्थियों को डिजिटल प्रोत्साहन मिला है, जिसके तहत 42 करोड़ रुपए से अधिक वितरित किए जा चुके हैं।

ब्रांडिंग, उत्पाद डिजाइन, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए एआई टूल्स के इस्तेमाल को लेकर 12,000 से अधिक कारीगरों को भी प्रशिक्षण दिया गया है।

बयान में कहा गया कि 30,000 से अधिक विश्वकर्मा लाभार्थियों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम), ओएनडीसी, मीशो, अमेजन, फैबइंडिया, सुलेखा आदि विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। देशभर में 1,500 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम और शिविर, 50 से अधिक कार्यशालाएं, 82 व्यापार मेले, 37 राज्य स्तरीय प्रदर्शनियां और 50 से अधिक फ्लैश मॉब आयोजित किए गए हैं।

भारत के पारंपरिक कारीगर और शिल्पकार हाथों के कौशल, परिवार आधारित ज्ञान और छोटे स्तर के उद्यमों पर निर्भर हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य ऐसे कारीगरों और शिल्पकारों को शुरू से अंत तक सहायता प्रदान करना है। यह योजना गुरु-शिष्य परंपरा या पारंपरिक कौशल की परिवार आधारित प्रथा को मजबूत और संरक्षित करने का भी प्रयास करती है।

पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता दी जाती है।

कौशल उन्नयन के माध्यम से लाभार्थियों को आधुनिक औजारों, बेहतर कार्यप्रणालियों और नए डिजाइन से परिचित कराया जाता है। प्रशिक्षण में डिजिटल लेनदेन, मार्केटिंग और उद्यमिता से जुड़ा ज्ञान भी शामिल है।

योजना के तहत बुनियादी प्रशिक्षण 5 से 7 दिनों का होता है, जबकि उन्नत प्रशिक्षण 15 दिन या उससे अधिक समय में पूरा किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन 500 रुपए का स्टाइपेंड दिया जाता है।

मार्केटिंग सहायता में व्यापार मेले, प्रदर्शनियां, ब्रांडिंग और जीईएम जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, विज्ञापन और प्रचार शामिल हैं। इसका उद्देश्य कारीगरों को औपचारिक कारोबारी तौर-तरीके अपनाने और व्यापक बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

वजन घटाने के लिए डाइट ज्यादा असरदार या एक्सरसाइज? नई स्टडी में हुआ बड़ा खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दुनियाभर में बढ़ता मोटापा और ज्यादा वजन आज एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया में करीब 2.5 अरब वयस्क ओवरवेट या मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में वजन कम करने के लिए डाइट, एक्सरसाइज और जीवनशैली में बदलाव जैसे अलग-अलग तरीकों को लेकर लगातार रिसर्च होती रहती है।

हैदराबाद स्थित आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन की समीक्षा में वजन और मेटाबॉलिक हेल्थ पर अलग-अलग जीवनशैली आधारित तरीकों के असर को देखा गया। इस समीक्षा में 112 व्यवस्थित समीक्षाओं और मेटा-विश्लेषणों को शामिल किया गया, जिनमें 2,332 रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षणों और करीब 2.48 लाख प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें 50 से ज्यादा देशों से जुड़े शोध शामिल थे।

अध्ययन के मुताबिक, डाइट और शारीरिक गतिविधि को मिलाकर चलाने वाले कार्यक्रमों से वजन घटाने के साथ-साथ दिल और मेटाबॉलिक हेल्थ पर भी बेहतर असर देखने को मिला। 12 महीने से ज्यादा समय तक चलने वाले फॉलोअप में डाइट और फिजिकल एक्टिविटी के संयोजन से तुलना वाले समूह की अपेक्षा करीब 3.68 किलो ज्यादा वजन कम हुआ।

वहीं, कम कैलोरी वाली डाइट से शुरुआती तीन महीनों में सबसे ज्यादा वजन घटने का असर देखा गया। इस दौरान तुलना वाले समूह की अपेक्षा करीब 2.64 किलो अधिक वजन कम हुआ। हालांकि, लंबे समय तक वजन को नियंत्रित रखने के लिए सिर्फ डाइट के बजाय नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव को भी साथ रखना जरूरी माना गया।

सिर्फ वजन कम होना ही इस अध्ययन की खास बात नहीं है। शारीरिक गतिविधि का असर ब्लड प्रेशर पर भी देखने को मिला। 6 से 12 महीने के दौरान फिजिकल एक्टिविटी से सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर में भी कमी देखी गई।

डाइट और एक्सरसाइज को साथ लेकर चलने वाले कार्यक्रमों से ब्लड ग्लूकोज और इंसुलिन रेजिस्टेंस में भी बेहतर सुधार देखने को मिला। यानी फायदा सिर्फ वजन की मशीन पर दिखने वाले आंकड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर के मेटाबॉलिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

इस समीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि स्वास्थ्य लाभ के लिए हमेशा अत्यधिक वजन घटाना अनिवार्य नहीं है। शोध के अनुसार, जीवनशैली में सुधार से होने वाले कई फायदे वजन कम होने की मात्रा पर निर्भर नहीं करते। इसलिए, यदि कोई व्यक्ति सामान्य तौर पर निर्धारित '5 से 10 प्रतिशत वजन घटाने' के लक्ष्य तक नहीं भी पहुंच पाता, तब भी पौष्टिक खान-पान, नियमित व्यायाम और सकारात्मक जीवनशैली उसके स्वास्थ्य के लिए

सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत का आधार है आयुर्वेद आहार, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में लोग अपने खान-पान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। क्या खाना चाहिए, किस तरह का भोजन हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए और पारंपरिक खान-पान को किस नजरिए से देखा जाए, इन सवालों पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद आहार यानी ऐसा आहार, जिसकी अवधारणा आयुर्वेद के सिद्धांतों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी है। इसे समझने के लिए केवल भोजन पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ हमारी परंपरा और भोजन से जुड़े तय मानकों को भी समझना जरूरी है।

आयुर्वेद आहार के लिए एक निर्धारित नियामक व्यवस्था भी मौजूद है। खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 के तहत आयुर्वेद आहार के लिए एक नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें श्रेणी ए की व्यवस्था भी शामिल है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद आहार के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक व्यवस्थित और जिम्मेदार ढांचे में लाना है।

आयुर्वेद आहार को आसान भाषा में समझने के लिए तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं- आहार, परंपरा और मानक।

पहला है आहार। इसका सीधा मतलब है कि हम क्या खाते और पीते हैं। हमारे रोजमर्रा के भोजन में शामिल सभी चीजें हमारी आहार व्यवस्था का हिस्सा हैं। आयुर्वेद में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि खान-पान और जीवनशैली को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

दूसरा है परंपरा। भारत में भोजन से जुड़ा ज्ञान और तरीके सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते रहे हैं। अलग-अलग इलाकों में मौसम, स्थानीय उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर भोजन तैयार करने और खाने के अलग-अलग तरीके देखने को मिलते हैं। यही पीढ़ियों से चला आ रहा ज्ञान आयुर्वेद आहार को समझने में अहम भूमिका निभाता है।

तीसरा है मानक। किसी भी खाद्य पदार्थ के उत्पादन और उसके बारे में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए स्पष्ट नियम और जिम्मेदार व्यवस्था जरूरी होती है। मानक इसी व्यवस्था का आधार हैं। ये भोजन के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक तय ढांचे के भीतर रखने में मदद करते हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर है बेल का पेड़, आयुष मंत्रालय ने बताए इसके चमत्कारी गुण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में पेड़-पौधों का महत्व सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि प्राचीन समय से ही कई पौधों का इस्तेमाल औषधीय जरूरतों के लिए भी किया जाता रहा है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पौधा है बेल, जिसे संस्कृत में बिल्व और अंग्रेजी में वुड एप्पल कहा जाता है। नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, आयुष मंत्राल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेल के औषधीय महत्व से जुड़ी जानकारी साझा की है।

वनस्पति विज्ञान में बेल का नाम एगल मार्मेलोस है और यह रैसेसी परिवार से संबंधित है। यह पेड़ मुख्य रूप से भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया का मूल निवासी माना जाता है। भारत में यह सूखे जंगलों और मैदानी क्षेत्रों में आमतौर पर देखने को मिलता है। खास बात यह है कि बेल अलग-अलग तरह की जलवायु में भी आसानी से पनप सकता है और कम उपजाऊ मिट्टी में भी अच्छी तरह बढ़ने की क्षमता रखता है।

बेल का पेड़ मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष होता है, जिसकी ऊंचाई करीब 15 मीटर तक पहुंच सकती है। इसकी पत्तियां तीन पत्तियों वाले समूह यानी त्रिपर्णी होती हैं और इनमें हल्की सुगंध होती है। बेल के फूल हरे-सफेद रंग के और सुगंधित होते हैं। इसका फल कच्चा और सूखने के बाद भी कई पारंपरिक उपयोगों में काम आता है।

आयुर्वेद में बेल को लंबे समय से महत्वपूर्ण औषधीय पौधे के रूप में देखा जाता है। इसके फल, पत्तियां और जड़ विभिन्न पारंपरिक औषधीय उपयोगों में इस्तेमाल किए जाते हैं। विशेष रूप से बेल के फल को पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं में उपयोगी माना जाता है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के अनुसार इसमें एंटी-डायरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे औषधीय गुण बताए गए हैं। इसके अलावा इसमें एंटीबायोटिक और ब्रोंकोडायलेटर गतिविधियों का भी जिक्र किया गया है।

बकासन में संतुलन बिगड़ रहा है? इस तरह करें अभ्यास, कुछ दिन में बन जाएगी पकड़

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बकासन योग का एक कठिन लेकिन बेहद लोकप्रिय आसन है। इसे अंग्रेजी में क्राउ पोस कहा जाता है। शुरुआत में इसे करने में थोड़ा मुश्किल लग सकता है, क्योंकि इसमें शरीर का संतुलन हाथों पर बनाना होता है। लेकिन सही तकनीक और नियमित अभ्यास से धीरे-धीरे इस आसन पर पकड़ बनाई जा सकती है। बकासन करते समय शरीर की स्थिति के साथ-साथ सांस और संतुलन पर ध्यान देना भी जरूरी है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि बकासन करने के लिए सबसे पहले योग मैट पर सीधे खड़े होकर या स्क्वाट की स्थिति में आएं।

अब दोनों हथेलियों को कंधों की चौड़ाई के आसपास जमीन पर मजबूती से टिकाएं। उंगलियों को अच्छी तरह फैलाएं, ताकि हथेलियों का आधार मजबूत रहे और शरीर का संतुलन बनाने में आसानी हो।

अब धीरे-धीरे घुटनों को ऊपर उठाकर उन्हें बगल यानी ऊपरी बाजुओं के पास टिकाएं। इसके बाद कूल्हों को ऊपर की ओर उठाएं और शरीर का भार धीरे-धीरे पैरों से हटाकर हाथों की तरफ लाएं। इस दौरान कोशिश करें कि टेलबोन अंदर की ओर रहे और शरीर बहुत ज्यादा आगे या पीछे न झुके।

अब पैरों को जमीन से ऊपर उठाने की कोशिश करें। शुरुआत में एक-एक पैर उठाकर अभ्यास किया जा सकता है। जब संतुलन बनने लगे, तो दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं। भुजाओं को जितना संभव हो सीधा रखें और कंधों को स्थिर रखें।

बकासन में दृष्टि सामने की ओर रखना काफी महत्वपूर्ण है। नीचे देखने से शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है।

तनाव और अनिद्रा से हैं परेशान; रोज 10 मिनट करें शवासन, मिलेगा गहरा सुकून

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काम का प्रेशर और घंटों मोबाइल-लैपटॉप में व्यस्त रहने से शरीर और मन दोनों ही थक जाता है। ऐसे में योग एक अद्भुत और असरदार आसन है 'शवासन'। यह सिर्फ शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है।

यह एक विश्राम की मुद्रा है, जिसमें शरीर को बिल्कुल ढीला छोड़ दिया जाता है। 'शव' यानी मृत शरीर के समान लेटना।

देखने में यह सबसे आसान मुद्रा लगती है, लेकिन असल में यह सबसे कठिन आसनों में से एक माना जाता है क्योंकि इस आसन को करने के दौरान शरीर को पूरी तरह ढ़ीला छोड़कर मन को शांत करना आसान नहीं है। शवासन सिर्फ आराम करने का तरीका नहीं है बल्कि यह शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने शवासन के लाभ के बारे में बताया है। उनके अनुसार, यह आसन तनाव और चिंता को करने में मदद करता है। नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है और अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। साथ ही, यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। शवासन मस्तिष्क को शांत कर एकाग्रता बढ़ाता है। इसके नियमित अभ्यास से मांसपेशियों में तनाव कम होता है ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251